सच्ची बात, पाठकों के साथ | नागपुर, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025 | @ www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष : 2 | अंक : 307 | मूल्य: ₹ 5

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

फास्ट ट्रॅक

'हिंदुओं को काफिर कहने वालों से ना करें खरीदारी'

राष्ट्रबाण

भोपाल. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नवरात्रों में गरबा के दौरान गैर हिंदुओं को प्रवेश न देने का अभियान हो या करवा चौथ के मौके पर सिर्फ हिंदुओं से ही मेहंदी लगाने की अपील. ऐसा करने के बाद अब हिंदू संगठन दिवाली के मौके पर घर-घर बाजार जाकर हिंदुओं से सनातनी दिवाली मनाने की अपील कर रहा है.

बैनर पर लिखे गए नारे

भोपाल हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी और संत समाज के अनिलानंद समेत हिंदू कार्यकर्ता हाथों में बैनर लिए थे जिस में लिखा था- धन का उपयोग वहां करें जो सनातनी हो, जिहाद के उपयोग में ना आने पाए आपका धन.

PAK और अफगानिस्तान में 48 घंटे का सीजफायर

कंधार एयरस्ट्राइक में अब तक 15 की मौत 100 जख्मी

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान प्रशासन ने बुधवार शाम 6 बजे (पाकिस्तान समयानुसार) से 48 घंटे के लिए अस्थायी युद्धविराम लागू करने पर सहमति जताई है. ये कदम सीमा पर हुई ताज़ा झड़पों के बाद उठाया गया है, जिससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है.

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा घोषित इस युद्धविराम का उद्देश्य बॉर्डर पर भड़की लड़ाई के बाद शत्रुता को कम करना और बातचीत का रास्ता खोलना है.

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष यानी पाकिस्तान और अफगानिस्तान इस जटिल लेकिन हल करने योग्य मुद्दे का समाधान निकालने के लिए ईमानदारी से प्रयास करेंगे. मंत्रालय ने बताया कि शत्रुता में विराम का मकसद राजनयिक बातचीत को बढ़ावा देना और भविष्य में जान-माल के नुकसान को रोकना है.

आम लोगों को पाकिस्तान ने बनाया निशाना

ये युद्धविराम अफगानिस्तान के दक्षिणी कंधार प्रांत में भीषण लड़ाई के बाद लागू हुआ है. बुधवार तड़के पाकिस्तानी सेना ने हवाई हमले किए. अफगान अधिकारियों के अनुसार स्पिन बोल्डक ज़िले के रिहायशी इलाकों में हमलों में कम से कम 15 नागरिक मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे. तालिबान प्रवक्ता जुबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी. उन्होंने बताया कि कई घर भी तबाह हो गए. स्थानीय अस्पताल में 80 से ज्यादा महिलाओं और बच्चों के इलाज की पुष्टि की है, जबकि कई घर मलबे में तब्दील हो गए. पाकिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम में अपनी सीमा चौकियों पर तालिबान के हमलों का जवाब दे रही थी. इसमें 6 अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए.

धनतेरस पर घर की उत्तर दिशा में रखें कुबेर यंत्र

करें पूजा-अर्चना तो हो सकते हैं मालामाल

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. धन त्रयोदशी यानी धनतेरस का त्योहार आने वाला है. इस साल धनतेरस 18 अक्टूबर दिन शनिवार को मनाया जाएगा. धनतेरस के शुभ अवसर पर लोग सोना-चांदी और मूल्यवान चीजों की जमकर खरीदारी करते हैं. ऐसा कहा जाता है कि धन त्रयोदशी पर मूल्यवान चीजें

या कोई नया सामान खरीदने से भगवान कुबेर और धनवतंरी की कृपा बनी रहती है. लेकिन ज्योतिषविद कहते हैं कि इस दिन एक खास चीज घर लाने से पूरे साल कुबेर महाराज की कृपा होती है और आदमी आर्थिक मोर्चे पर मालामाल रहता है. कुबरे यंत्र शास्त्रों में कुबेर महाराज को स्वर्ग लोक का कोषाध्यक्ष बताया गया है. यानी स्वर्ग में धनधान्य और आर्थिकी से जुड़े सारे मामले इन्हीं के दायरे में आते हैं. धनतेरस पर घर की उत्तर दिशा में कुबेर यंत्र रख कर पूजा-अर्चना करें तो मालामाल हो सकते हैं.

बिहार में डबल दिवाली है

'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' कार्यक्रम में बोले PM मोदी

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. PM मोदी ने मेरा बूथ-सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बिहार के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. उन्होंने कहा, मेरा बूथ, सबसे मजबूत-ये सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, ये जमीनी स्तर पर भाजपा की सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है. जैसे पुरानी कहावत है- बूंद-बूंद से घड़ा भरता है. वैसे ही जब हर बूथ सबसे मजबूत होता है, तभी पार्टी को सफलता मिलती है.

पीएम मोदी ने और क्या कहा?

पीएम मोदी ने कहा, आजकल दीपावली, छठ पूजा और अन्य उत्सवों की तैयारियां जोरों पर है. बिहार में लोकतंत्र के महाउत्सव की शुरूआत भी हो चुकी है. आप भी दिनभर चुनाव से जुड़े कार्यक्रमों में व्यस्त रहते हैं. आप सभी के परिश्रम को भाजपा का हर कार्यकर्ता बहुत ही गौरव के साथ देखता है. आप सभी को मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं. पीएम मोदी ने कहा, आज बिहार के हर घर से एक ही आवाज सुनाई दे रही है. एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार, इससे बनेगी सुशासन की सरकार. पीएम मोदी ने कहा, इस बार बिहार में डबल दिवाली आने वाली है.

ट्रंप ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति को दी चेतावनी

बोलेः 'अमेरिका के अनुरूप नहीं रही राजनीति तो बंद कर दूंगा वित्तीय सहायता'

राष्ट्रबाण

वॉशिंगटन. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अर्जेंटीना को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आगामी चुनावों के बाद उसकी आंतरिक राजनीति अमेरिका के अनुरूप नहीं रही तो वह उसे वित्तीय सहायता नहीं देगा. ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ बैठक के दौरान यह बात कही है. माइली की नीतियां और विचारधारा अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के प्रशासन से मेल खाती हैं. अर्जेंटीना में इस महीने के अंत में चुनाव होने हैं.

'माइली की विचारधारा से मुश्किल में अर्जेंटीना': ट्रंप ने माइली के एक अत्यधिक वामपंथी प्रतिद्वंद्वी होने का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी विचारधारा ने अर्जेंटीना को समस्या में डाला है. उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना मेरे द्वारा देखे गए सबसे खूबसूरत देशों में से एक है, और हम इसे सफल होते देखना चाहते हैं. ट्रंप ने कहा कि अर्जेंटीना के राष्ट्रपति, जो पेशे से अर्थशास्त्री हैं, पूरी तरह से MAGA हैं. यह पारंपरिक रूप से उनके चुनावी नारे, Make America Great Again को संदर्भित करता है, लेकिन इस बार, इसका अर्थ Make Argentina Great Again भी था.

'अमेरिका बर्बाद नहीं करेगा समय'

अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाले नेता अन्य देशों के लोकतांत्रिक चुनावों में उम्मीदवारों को लेकर आमतौर पर टिप्पणी नहीं करते हैं. इससे इतर ट्रंप ने कहा कि यदि माइली हार जाते हैं तो अमेरिका ब्यूनस आयर्स को उदारता दिखाकर अपना समय बर्बाद नहीं करेगा. उन्होंने कहा, ''यदि वह हार जाते हैं तो हम अर्जेंटीना के प्रति उदार नहीं रहेंगे.'' इस बीच माइली ने कहा कि हम शांतिपूर्ण रास्ता अपना सकते हैं और अर्जेंटीना को समृद्धि का एक सशक्त उदाहरण बना सकते हैं.

अर्जेंटीना में छिड़ा सियासी घमासान

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि आगामी मध्यावधि चुनावों में माइली का गठबंधन अच्छा प्रदर्शन करेगा और उनके सुधार एजेंडे को जारी रखेगा. डोनाल्ड ट्रंप की माइली से मुलाकात को लेकर अर्जेंटीना में सियासी पारा चढ़ा हुआ है. विपक्ष की नेता और 2 बार राष्ट्रपति रह चुकीं क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किर्चनर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ₹अर्जेंटीना के लोगों...आप जानते हैं कि क्या करना है!₹ पूर्व राष्ट्रपति भ्रष्टाचार के आरोप में घर में नजरबंद रहते हुए 6 साल की सजा काट रही हैं.

उपचुनाव के लिए बीजेपी ने घोषित किए उम्मीदवार

झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के बेटे को मिला टिकट

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भाजपा ने 4 राज्यों में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है. झारखंड के घाटशिला (सु) निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन को टिकट मिला है. इससे पहले विधानसभा चुनाव में बाबूलाल बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़े थे लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था.

जम्मू-कश्मीर उपचुनाव में इन्हें मिला टिकटः जम्मू-कश्मीर के बडगाम (निर्वाचन क्षेत्र 27) सीट से आगा सैयद मोहसिन को बीजेपी ने टिकट दिया है. वहीं, नगरोटा (निर्वाचन क्षेत्र 77) से देवयानी राणा को उम्मीदवार बनाया गया है. ये दोनों नेता जल्द ही अपना नामांकन फाइल करेंगे.

जम्मू-कश्मीर की 2 सीटों पर उपचुनावः जम्मू-कश्मीर में 2 विधानसभा क्षेत्र - बडगाम और नगरोटा - अक्टूबर 2024 से रिक्त हैं. उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे के कारण बडगाम में उपचुनाव आवश्यक है, क्योंकि उन्होंने गंदेरबल निर्वाचन क्षेत्र को अपने पास रखने का फैसला किया था. नगरोटा में उपचुनाव बीजेपी विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद हो रहा है. राणा ने 2024 के जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार जोगिंदर सिंह को 30,472 मतों से हराया था.

झारखंड, ओडिशा और तेलंगाना में इन्हें दिया टिकट

वहीं, झारखंड में बाबूलाल सोरेन घाटशिला (सु) निर्वाचन क्षेत्र (45) से उपचुनाव लड़ रहे हैं. बाबूलाल सोरेन प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे हैं. वहीं,ओडिशा में जय ढोलकिया नुआपाड़ा (निर्वाचन क्षेत्र 71) उपचुनाव के लिए उम्मीदवार हैं. तेलंगाना में लंकाला दीपक रेड्डी जुबली हिल्स (निर्वाचन क्षेत्र 61) से उपचुनाव लड़ रहे हैं.

झारखंड की घाटशिला सीट पर उपचुनाव

झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के नेता रामदास सोरेन के निधन के कारण झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट के लिए 11 नवंबर को उपचुनाव हो रहा है. वह हेमंत सोरेन सरकार में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री थे. 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में सोरेन ने बीजेपी उम्मीदवार बाबू लाल सोरेन को 22,446 मतों से हराया था. घाटशिला अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है और 2009 और 2019 में भी रामदास सोरेन ने इसका प्रतिनिधित्व किया था. 11 नवंबर को होगा उपचुनाव जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा और तेलंगाना में पांच सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा. मतगणना 14 नवंबर को होगी.

एयरपोर्ट पर कांग्रेस के नेताओं के सामने भिड़े कार्यकर्ता

राष्ट्रबाण

पटना. बिहार के पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस के अंदर की कलह सामने आ गई है. पटना एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं के बीच जमकर मारपीट और हंगामा हुआ है. ये सब उस वक्त हुआ, जब पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, बिहार कांग्रेस प्रभारी और कांग्रेस विधायक दल के नेता मौजूद थे. उनके सामने ही कार्यकर्ताओं के बीच जमकर लात घूसे चले. मिली जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्ण अल्लावरु और कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान जैसे ही पटना पहुंचे तो एयरपोर्ट पर मौजूद कुछ लोगों ने मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए.

मार्केट में तेजी, भागे शेयर

अमेरिका से आई थी एक खबर

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. एशियाई बाजारों में शानदार तेजी के साथ ही भारतीय बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी भी बुधवार को चढ़कर क्लोज हुए. सेंसेक्स 575.45 अंक या 0.70 प्रतिशत बढ़कर 82,605.43 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 178.05 अंक या 0.71

प्रतिशत बढ़कर 25,323.55 पर बंद हुआ.

इन सेक्टर्स में आई तेजी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के बीच निवेशकों की धारणा सुधार हुआ है. बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, भारती एयरटेल और इटरनल नामक पाँच शेयरों ने सेंसेक्स की बढ़त में अहम योगदान दिया है. सेक्टोरियल इंडेक्स में BSE मेटल इंडेक्स 0.98 प्रतिशत बढ़कर 33,856.72 पर पहुंच गया, जबकि बीएसई एफएमसीजी इंडेक्स 1.02 प्रतिशत बढ़कर 20,163.58 पर पहुंच गया. बीएसई सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस और इटरनल ने 1,062 रुपये और 355.70 रुपये के नए 52-सप्ताह के हाई पर पहुंच गया. बीएसई पर एक्टिव रहने वाले 4,314 शेयरों में से 2,497 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,670 शेयरों में गिरावट आई और 147 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए.

अंतरिक्ष छोड़िए, भारत अब चांद पर भेजेगा इंसान

ISRO चीफ ने बता दी पूरी टाइमलाइन

रांची. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी कि ISRO के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बुधवार को ऐलान किया कि भारत 2040 तक अपने नागरिकों को चांद पर उतारने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है. इसके साथ ही, भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान 'गगनयान' 2027 में लॉन्च होगी. नारायणन ने रांची में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (BIT) मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह में यह बात कही.

गगनयान मिशन की तैयारियां जोरों परः नारायणन ने बताया कि 'गगनयान' मिशन के लिए तैयारियां तेजी से चल रही हैं. इस मिशन से पहले तीन मिशन मानवरहित होंगे. पहला मिशन दिसंबर 2025 में होगा, जिसमें हाफ ह्यूमनॉयड रोबोट 'व्योममित्र' अंतरिक्ष में जाएगा. इसके बाद 2026 में दो और मानवरहित मिशन होंगे. नारायणन ने कहा, '2027 के पहले तिमाही में गगनयान के जरिए भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन पूरा होगा.'

'आज 300 स्टार्टअप स्पेस पर काम कर रहे': ISRO प्रमुख ने कहा कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दे रहा है, लेकिन जलवायु विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे वैश्विक मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए तैयार है. नारायणन ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACE ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स को जोड़कर क्रांति ला दी है.

'2035 तक होगा भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन'

ISRO प्रमुख ने बताया कि भारत 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' (BAS) तैयार कर लेगा. इसके शुरुआती मॉड्यूल 2027 तक अंतरिक्ष में स्थापित हो सकते हैं. इसके अलावा, चंद्रयान-4, चंद्रयान-5, एक नया मंगल मिशन और एक खगोलीय वेधशाला मिशन 'एक्सओएम' जैसे बड़े प्रोजेक्ट भी पाइपलाइन में हैं. नारायणन ने कहा कि शुक्र ग्रह का अध्ययन करने के लिए 'वीनस ऑर्बिटर मिशन' को मंजूरी मिल चुकी है. साथ ही, सूरज का अध्ययन करने वाला 'आदित्य-एल1' मिशन अब तक 15 टेराबाइट से ज्यादा डेटा जमा कर चुका है, जो सूर्य की गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम को समझने में मदद कर रहा है.

राजनीति

देश छोड़कर भागे राष्ट्रपति; सेना ने संभाली सत्ता

मेडागास्कर में Gen-Z आंदोलन के चलते बढ़ा सियासी संकट

राष्ट्रबाण

एंटानानारिवो. मेडागास्कर में Gen-Z के उग्र प्रदर्शन की वजह से सियासी भूचाल आ गया है. हालात ऐसे बन गए हैं कि सशस्त्र बल हिंद महासागर में स्थित इस द्वीपीय राष्ट्र में सत्ता संभाल रहे हैं. मेडागास्कर में एक विशिष्ट सैन्य इकाई के कर्नल ने इस बारे में जानकारी दी है. सेना के कर्नल की यह घोषणा संसद की ओर से राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर

मतदान के तुरंत बाद आई है. देश छोड़कर भाग चुके हैं राष्ट्रपति कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना ने पत्रकारों से कहा कि सेना एक परिषद बनाएगी जिसमें सेना और अर्द्धसैनिक कानून प्रवर्तन बल के अधिकारी शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि एक नागरिक सरकार का जल्द गठन करने के लिए नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा. मेडागास्कर में Gen-Z आंदोलन और सैनिकों के विद्रोह के कारण राष्ट्रपति देश छोड़कर पहले ही भाग चुके हैं. ऐसा प्रतीत होता है कि देश के नेता के रूप में राजोएलिना के सात वर्षों के कार्यकाल का अंत हो गया है.

किस वजह से शुरू हुए थे प्रदर्शन?

एक रिपोर्ट में दावा किया था कि राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना को फ्रांस के एक सैन्य विमान से देश से बाहर निकाला गया है. फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में कोई बयान नहीं दिया है. मेडागास्कर फ्रांस का उपनिवेश रहा है और राजोइलिना के पास कथित तौर पर फ्रांसीसी नागरिकता है, जिसे लेकर भी लोगों में नाराजगी देखने को मिली है. सरकार विरोधी प्रदर्शन 25 सितंबर को पानी और बिजली की लगातार कटौती के विरोध में शुरू हुए थे.

Gen-Z प्रोटेस्ट में शामिल हुई सेना

बता दें कि, मेडागास्कर में Gen-Z प्रदर्शन के दौरान हालात उस वक्त और गंभीर हो गए थे जब शनिवार को सेना का एक दल भी इन प्रदर्शनों में शामिल हो गया था. प्रदर्शन के दौरान सेना से जुड़े लोगों ने राष्ट्रपति और मंत्रियों से पद छोड़ने की मांग की थी. इस बीच भले ही राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना ने देश छोड़ दिया हो लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा नहीं दिया है.

दिल्ली-NCR के लोगों के लिए खुशखबरी

दिवाली पर जला सकेंगे ग्रीन पटाखे

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. दिवाली से पहले एक महत्वपूर्ण छूट देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कुछ शर्तों के साथ त्योहार के दौरान दिल्ली और एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री और उनके इस्तेमाल की अनुमति दे दी. साथ ही न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि ग्रीन पटाखों का उपयोग दिवाली और उससे एक दिन पहले कुछ घंटों तक ही किया जा सकेगा. कोर्ट ने कहा कि

ग्रीन पटाखों की बिक्री सिर्फ 18 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक ही की जा सकेगी. दिवाली से एक दिन पहले और दिवाली के दिन सिर्फ सुबह 6 से 7 बजे तक और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे जलाने की अनुमति होगी.

संपादकीय

अफगान महिलाओं की अनदेखी

एसएमई मालिकों में लगभग आधी संख्या महिला उद्यमियों की है. इसके विपरीत तालिबान शासन अपनी महिला आबादी को लगभग पूरी तरह से शक्तिहीन करने को उचित ठहराने के लिए शरिया का हवाला देता है. सऊदी अरब ने भी कुरान और सुन्नाह (पैगंबर मुहम्मद की परंपराओं) को देश का संविधान घोषित किया है. दिल्ली स्थित अफगान दूतावास में 10 अक्टूबर को अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की प्रेस कांफ्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखने पर हंगामे का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि मुत्ताकी ने 12 अक्टूबर को एक और बैठक आयोजित की और उसमें महिला पत्रकारों को भी शामिल किया. इसमें महिला पत्रकार पूरी शान से आगे की पंक्ति में बैठीं. 12 अक्टूबर की बैठक भारतीय महिला पत्रकारों के लिए एक जीत है, लेकिन हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि अफगान महिलाओं और लड़कियों की स्थिति ठीक नहीं है. उनकी स्थिति समस्त इस्लामी जगत से आत्मचिंतन की मांग करती है.

यदि पुरुष अभिभावक अन्याय करते हैं तो महिलाएं अभिभावकत्व के हस्तांतरण की मांग कर सकती हैं. सऊदी अरब में विवाह के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष है. हालांकि कुछ परिस्थितियों में अदालतें कम उम्र की लड़की से विवाह की अनुमति दे सकती हैं. पति मौखिक रूप से अपनी पत्नी को तलाक नहीं दे सकते. गौर करें कि भारत में ऐसा करने देने की अनुमति जारी रखने की मांग की जा रही थी और तीन तलाक पर रोक के बाद भी मौखिक तलाक के मामले आते रहते हैं.

विशेष रूप से 2021 के बाद से तालिबान शासन में महिलाओं की दयनीय दशा को देखते हुए. जहां तालिबान शासन में अफगान महिलाओं की स्थिति दयनीय है, वहीं सऊदी अरब (जहां इस्लाम जन्मा) में महिलाओं की स्थिति सुधर रही है. तालिबानी शासन में शरिया कानून के तहत लड़कियों को स्कूली शिक्षा के साथ उच्च शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन से वंचित रखा गया है. वे पुरुष अभिभावक के बिना घर से बाहर नहीं जा सकतीं.

उन पर थोपे गए बुर्के से उनकी स्वतंत्रता सीमित होती है. अफगान विश्वविद्यालयों में महिलाओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. इसके साथ ही मानवाधिकारों, लैंगिक अधिकारों, संवैधानिक कानूनों आदि पाठ्यक्रमों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है. यह अफगान महिलाओं के लिए वस्तुतः पाषाण युग है. इसके विपरीत सऊदी अरब में महिलाओं ने पिछले कुछ वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं. वर्ष 2018 में सऊदी महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति दी गई और 2019 में 21 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं पासपोर्ट के लिए आवेदन करने लगीं. उन्हें पुरुष अभिभावक की अनुमति के बिना यात्रा करने की भी आजादी मिली. 2021 से महिलाओं को बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के हज करने के लिए मक्का जाने की अनुमति दी गई, बशर्ते वे अन्य महिलाओं के साथ यात्रा कर रही हों. सऊदी पारंपरिक सिद्धांत के अधीन प्रत्येक महिला का एक पुरुष संरक्षक होता था, जो उसकी ओर से निर्णय लेता था.इस तरह वे पिता, पति, भाई, पुत्र आदि के संरक्षण में रहने को विवश थीं, लेकिन 2019 से 21 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और राज्य सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने, नौकरी करने या गर्भावस्था और जन्म के बारे में चिकित्सा निर्णय लेने के लिए अभिभावकों की मंजूरी की आवश्यकता नहीं रह गई. इसके बाद भी उन्हें विवाह, तलाक या आश्रयस्थलों को छोड़ने के लिए अभिभावक की सहमति अब भी चाहिए.

विचारधारा से हीन होती रोज राजनीति

एक समय भाजपा चाल, चरित्र और चेहरे की बात करती थी और खुद को औरों से अलग बताती थी. अब वह ऐसा नहीं कहती. वैसे भाजपा अब भी कम्युनिस्ट दलों की तरह विचारधारा वाला दल है, लेकिन कांग्रेस की विचारधारा तो खुद कांग्रेसी भी नहीं बता सकते. बिहार के राजनीतिक दल इन दिनों सीटों के बंटवारे के साथ ही इसलिए भी खबरों में हैं कि उनके नेता धड़ाधड़ पाला बदल रहे हैं.

फिलहाल उनकी गिनती करना इसलिए कठिन है, क्योंकि हर दिन किसी न किसी दल का नेता अपने दल का त्याग कर रहा है. इन दल त्यागी नेताओं में विधायक, पूर्व विधायक एवं पूर्व सांसदों के अलावा अन्य पदाधिकारी भी हैं. कुछ ने दूसरे दलों का दामन लिया है. कुछ थामने की तैयारी में हैं. पालाबदल के इस दौर में कुछ ऐसे नेता भी हैं, जो इसलिए दलबदल रहे हैं, क्योंकि वे अपने बेटे-बेटियों को चुनाव मैदान में उतारना चाहते हैं. जो नेता अपने-अपने दल का परित्याग कर रहे हैं, वे यह भी कह दे रहे हैं कि उनकी पार्टी अब वैसी नहीं रही. वह अमुक जाति-बिरादरी की विरोधी बन गई है और उसके नेता चाटुकारों से घिर गए हैं. चूंकि कोई भी उनसे नहीं पूछता कि उन्हें यह सब कब याद आया, इसलिए वे बताते भी नहीं.

बिहार में मौकपरस्त और दलबदलू नेताओं के साथ कुछ गायक-अभिनेता भी चर्चा में हैं, क्योंकि वे चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं. इनमें से एक हैं पवन सिंह और दूसरी हैं मैथिली ठाकुर. पिछले दिनों पवन सिंह गृहमंत्री अमित शाह से मिले. भाजपा ने उन्हें लोकसभा चुनाव में बंगाल से चुनावी मैदान में उतारा था. वे आसनसोल से चुनाव लड़ने की तैयारी कर ही रहे थे कि उनके कुछ अश्लील गानों का उल्लेख कर तृणमूल कांग्रेस ने उन पर हल्ला बोल दिया. नतीजा यह हुआ कि भाजपा हिचक गई और खुद पवन सिंह ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया. इसी के साथ उनकी भाजपा से निष्ठा उड़नछू हो गई और वे बिहार के कराकाट से निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़े. वे खुद तो चुनाव हारे ही, उन्होंने काराकाट समेत अन्य लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों की लुटिया डुबोई. विधानसभा चुनाव आते ही उनका भाजपा प्रेम फिर से उमड़ा.उन्होंने जब गृहमंत्री से मुलाकात की तो कहा गया कि उनकी घर वापसी हो गई है. इस पर उनका कहना था कि वे भाजपा से अलग ही कब हुए थे? इसके बाद जब उनकी पत्नी ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया तो खबर आई कि उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है. ऐसा कहते हुए उन्होंने यह भी कहा कि वे भाजपा के सच्चे सिपाही हैं. क्या इस पर यकीन किया जा सकता है? लोक गायिका मैथिली ठाकुर को दरभंगा के अलीनगर से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतारने की चर्चा है. इसका असर यह हुआ है कि अलीनगर के भाजपा विधायक ने पार्टी छोड़ने की घोषणा कर दी. पवन सिंह या मैथिली ठाकुर जैसे कलाकारों या फिर वर्तमान या निवर्तमान नौकरशाहों के चुनाव लड़ने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन जब वे यकायक चुनाव मैदान में उतर आते हैं, तो जिस भी दल के प्रत्याशी बनते हैं, उसके संभावित प्रत्याशी बन सकने वाले नेताओं की आशाओं पर तुषारापात करते हैं.अक्सर ऐसे नेता या तो विद्रोही हो जाते हैं या फिर भितरघात करते हैं अथवा निष्क्रिय हो जाते हैं. इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ताओं का वह वर्ग हताश होता है, जो नेता बनने और अंततः चुनाव लड़ने के सपने देख रहा होता है. ऐसे कार्यकर्ताओं के सपने तोड़ने का काम सभी दल समान भाव से करते हैं. वे यकायक कहीं से भी किसी को भी चुनाव मैदान में उतारने के अपने फैसले के पक्ष में यह तर्क देते हैं कि जिताऊ उम्मीदवारों पर दांव लगाना पड़ता है.यह तर्क खोखला ही अधिक होता है, क्योंकि अक्सर दलबदलू या फिर नेता पुत्र अथवा राजनीति से इतर क्षेत्र के अचानक प्रत्याशी बने लोग चुनाव हार जाते हैं.

IPS खुदकुशी पर BJP की आफत क्यों?

हरियाणा के आईपीएस वाई. पूरन कुमार की मौत का मामला गंभीर हो गया है. इस घटना ने देश की दलित राजनीति को नया मोड़ दिया है. सरकार पर दबाव बढ़ रहा है, जिसके चलते रोहतक के एसपी और राज्य के डीजीपी को हटाया गया है. विपक्षी दल इसे न्याय और सामाजिक सम्मान की लड़ाई बता रहे हैं.

हरियाणा के IPS वाई. पूरन कुमार की मौत का मामला तूल पकड़ चुका है. इससे देश में दलितों को लेकर होने वाली राजनीति में नया मोड़ भी आया है. महा-पंचायतें सरकार को अल्टिमेटम दे रही हैं. विरोधी पार्टियां घेराबंदी कर रही हैं. छात्र संगठन आगे आए हैं. इसलिए हरियाणा की BJP सरकार बैकफुट पर आ गई है. इसलिए पहले तो आरोपों के घेरे में आए रोहतक के SP को हटाया गया. अब राज्य के DGP शत्रुजीत सिंह कपूर को भी छुट्टी पर भेज दिया गया है. हरियाणा और पंजाब में अभी अलग-अलग दलों की सरकारें हैं. पंजाब की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी (AAP), IPS अधिकारी के परिवार को इंसाफ दिलाने की लड़ाई को जन-आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है. दोनों राज्यों में महापंचायत, कैंडल मार्च और धरने-प्रदर्शन हो रहे हैं. कांग्रेस और AAP नेता IPS के घर पहुंच रहे हैं. विपक्षी दलों का कहना है कि यह मामला केवल एक अफसर की मौत का नहीं है, बल्कि यह न्याय, समानता और सामाजिक सम्मान की लड़ाई है. दोनों राज्यों में दलितों की संख्या किसी भी दल के समीकरणों पर असर डाल सकती है. हरियाणा में करीब 22% दलित समुदाय के लोग हैं. 2024 लोकसभा चुनाव में राज्य की दोनों आरक्षित सीटों सिरसा और अंबाला पर BJP की हार हुई थी. हालांकि इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया. मगर आज BJP मुश्किल में है. पंजाब में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसके लिए पार्टी खास रणनीति के तहत राज्य की मान सरकार को घेर रही थी. मगर IPS की खुदकुशी का मामला सामने आने के बाद AAP नेता BJP पर दलितों के साथ अन्याय करने का आरोप लगा रहे हैं. वहीं, AAP सरकार के मंत्री, विधायक इस मुद्दे को आंदोलन में बदलने की कोशिश में हैं. हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल इस समय केंद्रीय मंत्री हैं, लेकिन राज्य की राजनीति में उनकी दिलचस्पी बनी हुई है. केंद्रीय नेतृत्व भी नायब सरकार की मदद के लिए आगे आया है. केंद्र ने जहां अपने राज्य मंत्री रामदास आठवले को IPS के घर भेजा, वहीं मनोहर लाल अपने करीबियों के जरिए डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश में हैं.

बांग्लादेश, नेपाल, मोरक्को सड़क पर Gen-Z

जनरेशन-जी यानी युवा पीढ़ी दुनिया भर में बदलाव ला रही है. भारत में भी यह पीढ़ी उपभोक्ता बाजार, राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर अहम भूमिका निभा रही है. ये युवा पारदर्शिता और सामाजिक जिम्मेदारी चाहते हैं. इन्हें समझने और इनके साथ संवाद का तरीका बदलने की जरूरत है. सही मार्गदर्शन से यह पीढ़ी भारत को बेहतर बनाएगी. Gen-Z यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई पीढ़ी चर्चा के केंद्र में है. मोरक्को में यह पीढ़ी सड़क पर है. इससे पहले नेपाल में इसने सरकार को बेदखल कर दिया. बांग्लादेश में भी शेख हसीना की सरकार इसी पीढ़ी के आंदोलन की वजह से हटी. इससे यह बहस तेज हो गई है कि यह पीढ़ी किस तरह सोचती है और कैसे सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्यों को प्रभावित करती है. भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश में भी यह सवाल महत्वपूर्ण है कि मीडिया, समाज व राजनीति को इस जनरेशन के साथ किस तरह का संबंध बनाना चाहिए. भारत में Gen-Z की आबादी करीब 37.7 करोड़ है, कुल जनसंख्या का करीब 26% हिस्सा. लेकिन, यह आबादी उपभोक्ता खर्च का लगभग 43% नियंत्रित करती है. पिछली पीढ़ियों ने तकनीक को अपनाया, लेकिन Gen-Z तकनीक के साथ पैदा हुई. यही वजह है कि समाचार, मनोरंजन, शिक्षा या करियर - हर क्षेत्र में इनकी प्राथमिकताएं और आदतें बिल्कुल अलग हैं. यह पीढ़ी खबरों से कट नहीं रही, उन्हें अलग ढंग से पढ़ और साझा कर रही है. उनके लिए समाचार सूचना के साथ सोशल करंसी भी है. आज भारत का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ यही है कि उसके पास युवा आबादी है. Gen-Z उपभोक्ता बाजार, चुनावी राजनीति और सामाजिक विमर्श में निर्णायक भूमिका निभा रही है. ये लोग ब्रैंड्स और कंपनियों से उत्पाद के साथ पारदर्शिता और सामाजिक जिम्मेदारी भी चाहते हैं. ये पर्यावरण, Gender equality, विविधता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर मुखर हैं. राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में भी इनकी भागीदारी सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक दिखाई देती है. कहा जाता है कि इन्हें तुरंत परिणाम चाहिए, धैर्य और गहराई से सोचने की कमी है. रील्स और मीम्स में सच्चाई खोजने की आदत से आधी-अधूरी समझ पैदा होती है - कई बार सोशल मीडिया ट्रेंड के आधार पर अपनी राय बना लेती है. इस पीढ़ी पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी अधिक है. लेकिन वे नए विचारों के प्रति सबसे ज्यादा खुले हैं. उनमें परंपराओं और आधुनिकता को जोड़ने की क्षमता है.

राशिफल

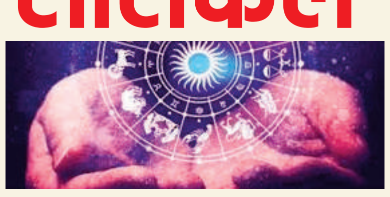

■ **मेष**: आज मेष राशि के जातक आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और आज कुछ अलग कर सकते हैं. हालांकि आपके खर्चे बढ़ेंगे, लेकिन आपकी इनकम में भी वृद्धि होगी. माता-पिता की सेहत में सुधार होगा. ऑफिस में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ने की संभावना है.जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे.

■ **वृषभ**: आज आपके जीवन में कई खुशनुमा पल आएंगे. बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा. आर्थिक लाभ की संभावना है. इमोशनल रूप से आप परेशान हो सकते हैं, जीवनसाथी के साथ समय बिताएं. अटके हुए काम पूर्ण हो सकते हैं. व्यावसायिक सफलता मिल सकती

■ **मिथुन**: आज आपको अपने मूड में बदलाव करने की जरूरत है. किसी करीबी व्यक्ति के साथ वाद-विवाद हो सकता है, इसलिए शांत रहें. रोमांस रोमांचक रहेगा. शादीशुदा जातक ऑफिस रोमांस से बचें, वरना रंगे हाथ पकड़े जा सकते हैं. आप आज अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन बिताएंगे.

■ **कर्क**: आज आपको धन कमाने के अवसर प्राप्त होंगे. जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है लेकिन शाम तक सब अच्छा हो जाएगा. ऑफिस में आपको अपनी क्रिएटिविटी दिखाने का मौका मिलेगा. यात्रा में लाभ हो सकता है. कार्यस्थल पर किसी सीनियर का सहयोग आपको महत्वपूर्ण टास्क में सफलता दिला सकता है.

■ **सिंह**: आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी. धन के मामले में सतर्कता बरतने की जरूरत है. आज कोई करीबी आपसे उधार मांग सकता है, जिससे आपको आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है. यात्रा को फिलहाल के लिए टाल दें. जीवनसाथी के साथ एक शानदार दिन गुजारेंगे. व्यापारिक स्थिति अच्छी होगी.

■ **कन्या**: आज आपको अपनी फीलिंग्स पर कंट्रोल रखने की जरूरत है. परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएं, मन प्रसन्न रहेगा. कारोबारियों को आज अच्छी खबर मिल सकती है. कड़ी मेहनत आज रंग लाएगी और नौकरी करने वाले जातकों को मनमु-ताबिक परिणाम मिलेंगे.

■ **तुला**: आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपकी करिअर में उन्नति हो सकती है. परिवार की समस्याओं को सुलझाने के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है. आप अपने लक्ष्यों की ओर शांति से आगे बढ़ेंगे और सफलता हासिल करेंगे। वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं.

■ **वृश्चिक**: आज आपको मानसिक परेशानी से छुटकारा मिलेगा. निवेश से दूर रहें. प्यार में निराशा आपको परेशान नहीं करेगी. आज खर्चों के कारण आपके जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते में खटास आ सकती है.

■ **धनु**: आज आपको अपनी पर्सनल व प्रोफेशनल परेशानियों का समाधान मिलेगा. आप बचत करना शुरू कर सकते हैं, जिससे भविष्य में आर्थिक स्थिरता प्राप्त होगी. ऑफिस में अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन मिलेगा. दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे. वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा.

■ **मकर**: आज आपको परिवार के साथ समय बिताकर अपने मूड में बदलाव करने की जरूरत है. सिंगल जातकों का सामना किसी सच्चे इंसान से हो सकता है. अपनों का साथ मिलेगा. जीवन में सुख-समृद्धि के आने से मन प्रसन्न रहेगा.

■ **कुंभ**: आज ऑफिस में आपकी ग्रोथ में अड़चनें आ सकती हैं. आपको अपने धन निवेश और बचत के बारे में अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की जरूरत है. किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचें, वरना नुकसान हो सकता है.

■ **मीन**: आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है. जीवनसाथी के साथ एक यादगार शाम बिताएंगे. व्यापार में मुनाफा होगा. नौकरी करने वाले जातकों को अच्छे अवसरों की प्राप्ति हो सकती है.

फिल्म वर्ग पहेली- 470

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-3
2. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-3
3. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-2
4. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-2
5. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-3
7. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-3
8. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-2
10. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-2
11. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2
12. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-4
13. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-2
14. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-4
15. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-3
16. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-3
21. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-3
22. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-4
23. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-3
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
25. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-3

बायें से दायें:-

1. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-4
4. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-4
6. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
11. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-4
13. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-4
16. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-2
17. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-3
18. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-3
19. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-2
26. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-2
27. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-2,3
28. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
29. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली- 469 का हल

को	ह	रा		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	रा		आ		त्मा		सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	रा	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	रा		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

पीएम किसान योजना में बड़ी लापरवाही

किसानों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का भी यही हाल है. इसके तहत किसान परिवार का एक सदस्य ही लाभ ले सकता है.

पीएम किसान योजना में बड़ी लापरवाही

सरकार की ओर से समाज के विभिन्न वर्गों के लिए नई-नई योजनाएं लागू की जाती हैं, मगर इनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंच पाता है या नहीं, इस पर शायद ही कोई ध्यान दिया जाता है. इससे न केवल सरकारी धन का बेजा इस्तेमाल होता है, बल्कि वे लोग भी लाभ से वंचित रह जाते हैं, जिन्हें केंद्र में रखकर योजना तैयार की जाती है. यही वजह है कि सरकार की कई महत्त्वाकांक्षी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती हैं. संबंधित अधिकारियों की लापरवाही और निगरानी तंत्र का अभाव इसकी बड़ी वजह है. किसानों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का भी यही हाल है. इसके तहत किसान परिवार का एक सदस्य ही लाभ ले सकता है. मगर केंद्रीय कृषि मंत्रालय की सत्यापन जांच में पाया गया कि बड़ी संख्या में पति और पत्नी दोनों ही इस योजना के लाभार्थी बने हुए हैं.

19 सौ से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई

गाजा में आज भी लोग भोजन-पानी से लेकर स्वास्थ्य सहायता तक की बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं. ऐसे में युद्ध विराम निश्चित तौर पर वहां के लोगों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है. इससे गाजा में बाहरी मदद भेजने का रास्ता भी खुलेगा, जिसकी अभी नितांत जरूरत है. इजराइल और हमास के बीच दो वर्षों से चल रहे युद्ध पर फिलहाल विराम लग गया है. दोनों पक्ष शांति की राह पर लौट आए हैं. अमेरिका की ओर से तैयार की गई समझौता योजना के प्रथम चरण में हमास ने बीस बंधकों को रिहा कर दिया है और बदले में इजराइल ने उन्नीस सौ से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है. इसके साथ ही अब तक बारूदी आग की तपिश झेल रहे गाजा के नागरिकों ने भी राहत की सांस ली है. भारत और ब्रिटेन सहित कई देशों ने अमेरिका की इस पहल का स्वागत किया है. वैश्विक नेताओं को उम्मीद है कि शांति समझौता अपने अंजाम तक पहुंच जाएगा, लेकिन इस प्रक्रिया में अभी कई अड़चनें साफ नजर आ रही हैं. हमास के निरस्त्रीकरण, गाजा के शासन और फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने जैसे जटिल मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं.

बीमार भविष्य की नींव चिंताजनक

यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता है कि एक लाख से अधिक स्कूलों की पढ़ाई सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रही है. एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है. शिक्षा मंत्रालय के हालिया आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में एक लाख चार हजार स्कूल ऐसे थे, जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं. इन स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं. बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है. एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाता. इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है. आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता. एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है. उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है. लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है. स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती. बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेल, पीटी और योग जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है. लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है. निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं. सही मायनों में स्कूलों का शिक्षकों की कमी से जूझना शिक्षा विभाग की नाकामी को ही दर्शाता है. यह हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है. शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है. आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

'हमारी बेइज्जती हुई, धरती से निशान तक मिटा देंगे'

हमास पर भड़के इजरायली मंत्री, IDF चीफ ने धमकाया

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. इजरायली सेना (IDF) चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने कहा कि जब तक हम सभी बंधकों को वापस नहीं ले आते, तब तक सेना आराम नहीं करेगी. उन्होंने कहा है कि सभी बंधकों को वापस लाना इजरायली सेना का नैतिक, राष्ट्रीय और यहूदी कर्तव्य है. हमास अब भी 21 मृत बंधकों के शव अपने पास रखे हुए हैं, जबकि पिछले दो दिनों में उसने केवल सात शव लौटाए हैं. इससे पहले सोमवार को हमास ने सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया था. मृत बंधकों के शवों को लेकर आईडीएफ चीफ जमीर ने कहा, 'राजनीतिक नेतृत्व के साथ मिलकर हम सभी समझौतों को लागू करने पर अडिग रहेंगे. लेकिन जब तक हम सभी बंधकों को वापस नहीं ले आते, हम आराम से नहीं बैठेंगे.'

गलत शव सौंपे जाने पर भड़के इजरायल के धुर-दक्षिणपंथी मंत्री?

गलत शव सौंपे जाने पर इजरायल के धुर-दक्षिणपंथी मंत्री इतमार बेन ग्वीर भड़क गए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बेइज्जती अब काफी हो गई. सैकड़ों ट्रकों के लिए रास्ता खोलने के कुछ ही पलों बाद, हमास जल्दी ही अपनी जानी-पहचानी चालें- झूठ, धोखा और परिवारों तथा शवों के साथ धोखे पर वापस आ गया. नाजी आतंकवाद सिर्फ हथियारों की भाषा समझता है. इससे निपटने का एकमात्र तरीका इसे धरती से मिटा डालना है.'इस साल की शुरुआत में भी हमास ने इजरायल को एक गलत शव सौंप दिया था. हमास का कहना था कि शव मारी गई बंधक शिरी बीबस का है. लेकिन इजरायल ने बताया कि शव बीबस का नहीं बल्कि गाजा के एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का है. इजरायल ने जब हो-हल्ला किया तब हमास ने असली शव इजरायल को सौंपा था.

हमास ने शव लौटाने में इजरायल के साथ किया धोखा

बुधवार को हमास ने 4 मृत बंधकों के शव इजरायल को सौंपे हैं. लेकिन इजरायली मीडिया की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि हमास की तरफ से लौटाए गए शवों में से एक इजरायली बंधक का नहीं है. रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि हमास ने इजरायली बंधक बताकर जो शव भेजा है, वो गाजा पट्टी के एक व्यक्ति का है. हिब्रू मीडिया से बात करते हुए एक इजरायली अधिकारी ने कहा, 'हमास ने जो शव लौटाए हैं, उनमें से एक शव इजरायली बंधक का नहीं बल्कि एक फिलिस्तीनी का है.'

चिराग की 5 सीटों पर दावेदारी

नीतीश ने बिगाड़ दिया एनडीए का फॉर्मूला?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की सीट बंटवारे बाद उम्मीदवारों के नाम का ऐलान शुरू हो गया है. जेडीयू, बीजेपी के बराबर 101 सीटों पर चुनाव लड़ने को राजी हो गई है, लेकिन अपनी मजबूत सीटें किसी भी सूरत में छोड़ने के लिए तैयार नहीं है. नीतीश कुमार ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर एनडीए के सीट शेयरिंग के समझौते का फॉर्मूला बिगाड़ दिया है.

जेडीयू और बीजेपी बराबर-बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने का फॉर्मूला तय हुआ था. इसके अलावा बाकी 41 सीटें सहयोगी दलों में बांट दी गई थीं, जिसमें चिराग पासवान की एलजेपी (आर) को 29 सीटें, उपेंद्र कुशवाहा की आर-एलएम और जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को छह-छह सीटें मिली हैं. एनडीए के सीट शेयरिंग के बाद से उपेंद्र कुशवाहा, जीतनराम मांझी नाराज हैं और अब नीतीश कुमार ने जिस तरह चिराग पासवान को मिली पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, उससे साफ

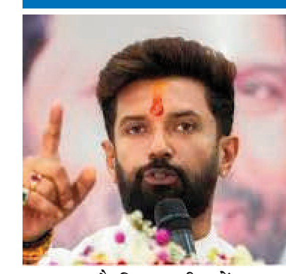

लग रहा है कि एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा?

मांझी ने भी दिखाया चिराग को तेवर: जीतन राम मांझी ने भी ऐलान किया है कि वह चिराग पासवान को मिली मखदुमपुर सीट पर अपना प्रत्याशी उतारेंगे. इस तरह से एनडीए में अब खुल्लम खुल्ला लड़ाई शुरू हो गई है. चिराग पासवान ने जिन 29 सीटों पर चुनाव लड़ने का अभी तक प्लान बनाया है, उनमें से कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर जेडीयू और बीजेपी का कब्ज़ा है. बीजेपी भले ही अपनी जीती सीटें छोड़ रही हो, लेकिन जेडीयू अपनी जीती हुई सीटें एलजेपी के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है. जेडीयू ने जिस तरह से पिछले चुनाव में सीटें जीती थीं, उनमें से छोड़ना उसके लिए आसान नहीं है. चिराग पासवान की दावे वाली चार सीटों पर बीजेपी का कब्ज़ा है तो तीन सीटों पर जेडीयू के विधायक हैं.

चिराग की सीटों पर जेडीयू ने उतारे प्रत्याशी

जेडीयू ने बुधवार को जिन 57 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है, उसमें पांच सीटें ऐसी हैं जिनके बारे में माना जा रहा था कि ये चिराग पासवान के कोटे में रहेंगी. एलजेपी को कुल 29 सीटें मिली हैं. इसमें मोरवा, गायघाट, राजगीर, सोनबरसा और एकमा भी थी, जिस पर जेडीयू ने अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. राजगीर सीट पर मौजूदा विधायक कौशल किशोर और सोनबरसा के विधायक व मंत्री रत्नेश सदा को जेडीयू ने प्रत्याशी बनाया है. जेडीयू ने एकमा सीट पर पूर्व विधायक धूमल सिंह को प्रत्याशी बनाया है. मोरवा सीट पर विद्यासागर निषाद और गायघाट सीट से कोमल सिंह को जेडीयू ने टिकट दिया है. सीट बंटवारे में ये पांचों सीटें चिराग पासवान के खाते में गई थीं, जिस पर नीतीश कुमार ने अपने प्रत्याशी उतारकर साफ कर दिया है कि वो किसी भी सूरत में अपनी मजबूत सीटें नहीं छोड़ेंगे.

फास्ट ट्रैक

जुबिन गर्ग की हत्या के आरोपियों पर पत्थरबाजी

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. असम के बकसा जिले में सोमवार को जुबिन गर्ग मौत मामले को लेकर बड़ा बवाल मच गया. बकसा जिला जेल के बाहर सैकड़ों लोग जमा हो गए और हिंसक प्रदर्शन करने लगे। यह विरोध तब भड़का जब इस मामले के पांच आरोपियों को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (CJM) ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया. जैसे ही आरोपियों को पुलिस की गाड़ियों में बैठाकर जेल ले जाया गया, भीड़ ने काफिले पर पथराव कर दिया. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को ले जा रही गाड़ियों पर पत्थर फेंके, जिससे अफरातफरी मच गई. भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी और आंसू गैस के गोले दागे गए. इस दौरान एक पुलिस वाहन में आग लगा दी गई. मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और हालात फिलहाल नियंत्रण में बताए जा रहे हैं. ये पांच आरोपी भेजे गए जेल जिन पांच लोगों को जेल भेजा गया है, उनमें कार्यक्रम आयोजक श्यामकनु महांता, जुबिन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, उनके कजिन और निलंबित असम पुलिस सेवा (APS) अधिकारी संदीपन गर्ग, और दो पर्सनल क्योरिटी ऑफिसर (PSO) नंदेश्वर बोरा शामिल हैं. इन सभी पर जुबिन गर्ग की मौत से जुड़े कार्यक्रम आयोजन और लापरवाही के आरोप हैं.

सिंगापुर में हुई थी जुबिन की मौत गौरतलब है कि असम के लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग की मौत 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में हुई थी. बताया गया कि वे स्कूबा डाइविंग के दौरान डूब गए थे.

AIMIM ने आजाद समाज पार्टी और अपनी जनता पार्टी से मिलाया हाथ

64 सीटों पर लड़ेगा गठबंधन

राष्ट्रबाण

पटना. बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं. इसी कड़ी में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने आजाद समाज पार्टी और अपनी जनता पार्टी के साथ रणनीतिक गठबंधन कर लिया है. तीनों दल मिलकर राज्य की 64 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे.

सीट बंटवारे के तहत AIMIM 35 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि आजाद समाज पार्टी 25 और अपनी जनता पार्टी 4 सीटों पर मैदान में उतरेगी. इस गठबंधन को बिहार की राजनीति में नया प्रयोग माना जा रहा है, जो अल्पसंख्यक और सामाजिक न्याय के मतदाताओं को साधने की कोशिश करेगा.

गठबंधन से तीसरा मोर्चा बनाने की तैयारी : राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, यह गठबंधन पारंपरिक सत्ताधारी दलों की पकड़ को चुनौती देने की कोशिश है. गठबंधन का फोकस सामाजिक समानता, अल्पसंख्यक सशक्तिकरण और जमीनी राजनीति पर होगा.

ओवैसी की पार्टी ने 2020 में किया था अच्छा प्रदर्शन

AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने 2020 में सीमांचल क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था, और अब वह आजाद समाज पार्टी के दलित आधार और अपनी जनता पार्टी के स्थानीय नेटवर्क के साथ मिलकर प्रभाव बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है.

शारीरिक शोषण, गैंगस्टर्स और रिश्वत

2 पुलिसवालों की आत्महत्या ने खोल दी सिस्टम की पोल!

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. हरियाणा के 2 सीनियर पुलिस अफसरों के सुसाइड ने पूरे पुलिस तंत्र को हिला दिया है. इन दोनों घटनाओं ने पुलिस डिपार्टमेंट के भीतर जातीय भेदभाव, करप्शन, जबरन वसूली और गैंगस्टर से कनेक्शन के आरोपों को जन्म दिया है. इन दोनों घटनाओं ने न सिर्फ प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि इसका राजनीतिक रंग भी गहराता जा रहा है.

ये कहानी सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के सुसाइड से शुरू हुई थी. इसमें नया मोड़ तब आया जब एक अन्य पुलिस अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक (ASI) संदीप लाठर ने खुद को गोली मार ली. लाठर पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे. बढ़ते दबाव और विपक्षी हमलों के बीच हरियाणा की भाजपा सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल कर दिया. डीजीपी शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया. साथ ही रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजरानिया को पदस्थापित किया गया है. ये वही दो अधिकारी हैं जिनका नाम आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार ने अपने सुसाइड नोट में लिया था. पूरन कुमार की मौत के बाद अब ये मामला न केवल प्रशासनिक बल्कि राजनीतिक तूफान का रूप ले चुका है. कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि दलित अधिकारी पूरन कुमार को लगातार जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया. इस मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं. पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए 29 सितंबर की उस सुबह पर लौटना होगा, जब वाई.

1 अक्टूबर को PSO की हिरासत

1 अक्टूबर को जब पूरन कुमार अपने निजी सुरक्षा अधिकारी (PSO) सुशील कुमार के साथ रोहतक से चंडीगढ़ जा रहे थे, तभी रोहतक पुलिस की एक टीम- जिसमें ASI संदीप लाठर भी शामिल थे, उन्होंने उनकी गाड़ी रोक ली. पुलिस ने बिना किसी एफआईआर या वारंट दिखाए PSO सुशील कुमार को हिरासत में ले लिया. पूरन कुमार के विरोध करने पर उन्हें कथित तौर पर धमकाया गया- पुलिसकर्मियों ने कहा कि अगली बार तुम्हारी बारी आएगी. सूत्रों के अनुसार हिरासत में लिए जाने से पहले PSO ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर कार में छोड़ दी थी. वही हथियार जिसे बाद में पूरन कुमार ने खुद को गोली मारने के लिए इस्तेमाल किया.

6 अक्टूबर- पूरन कुमार के PSO के खिलाफ FIR

लगातार दबाव और विवादों के बीच 6 अक्टूबर को पूरन कुमार के निजी सुरक्षा अधिकारी (PSO) सुशील कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (PCA) के तहत FIR दर्ज की गई. इसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने एक व्यापारी से 2.5 लाख रुपये की वसूली की कोशिश की थी. इस FIR की जांच करने वाली टीम में ASI संदीप लाठर भी शामिल थे. संदीप लाठर, जो साइबर सेल से जुड़े थे, उन्होंने ही पीएसओ सुशील कुमार के केस से संबंधित कॉल डिटेल्स और डिजिटल साक्ष्य इकट्ठा किए थे. वरिष्ठ प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि यह FIR रणनीतिक रूप से दर्ज की गई थी, ताकि पूरन कुमार को अप्रत्यक्ष रूप से शामिल दिखाया जा सके और उनकी गिरफ्तारी के लिए किसी सरकारी अनुमति की जरूरत न पड़े. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत किसी आईपीएस या आईएएस अधिकारी को गिरफ्तारी से विशेष छूट नहीं होती. जांच एजेंसी केवल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर या वारंट लेकर यह कार्रवाई कर सकती है.

'ममता दीदी मुझे माफ करना, अब बंगाल में नहीं रहूंगा'

दुर्गापुर रेप पीड़िता के पिता हुए भावुक

राष्ट्रबाण

दुर्गापुर. दुर्गापुर में निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा से हुए हमले के मामले में पीड़िता के पिता ने मीडिया से बात करते हुए अपना दर्द साझा किया. उन्होंने कहा कि उनकी बेटी के साथ जो हुआ, वह किसी और बेटी के साथ नहीं होना चाहिए. पिता ने कहा कि वे आरोपी को सबसे कड़ी सजा दिलवाना चाहते हैं ताकि दोबारा कोई ऐसी हिम्मत न करे.

उन्होंने कहा, मैं अपनी बेटी को बंगाल बड़ी उम्मीदों के साथ लाया था, ताकि वह डॉक्टर बन सके और अपने सपने पूरे कर सके. लेकिन जो कुछ हुआ, वह किसी भी पिता के लिए असहनीय है. अब मैं फैसला कर चुका हूं कि मैं बंगाल छोड़ दूंगा.

पिता ने की आरोपी को सबसे कड़ी सजा देने की मांग

मेरी बेटी के साथ जो हुआ, वह किसी और बेटी के साथ न हो. जब उनसे सीबीआई जांच के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह राज्य सरकार पर निर्भर करता है. उन्होंने कहा कि उन्हें बस इतना चाहिए कि न्याय जल्दी और सख्ती से मिले.

पाक के हाथ में फिर कटोरा

अब इतना पैसा देने को तैयार!

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) बीते दिनों पाकिस्तान को फटकार लगाता हुआ नजर आ रहा था. वैश्विक निकाय ने गलत व्यापार आंकड़े देने पर PAK पर सख्ती दिखाते हुए उससे 11 अरब डॉलर का पूरा हिसाब-किताब मांगा था. लेकिन लंबे समय से आर्थिक बदहाली के शिकार देश पर एक बार फिर वो मेहरबान नजर आ रहा है. बुधवार को पाकिस्तान-आईएमएफ के बीच लोन प्रोग्राम को लेकर एक स्टाफ लेवल समझौता (एसएलए) हुआ है. इसके बाद उसे 1.2 अरब डॉलर (करीब 10600 करोड़ भारतीय रुपये) मिलने का रास्ता भी साफ हो गया है.

IMF बोर्ड की मंजूरी अभी बाकी

पाकिस्तानी मीडिया डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टाफ लेबल समझौता हो गया है, लेकिन अभी इसे बोर्ड मंजूरी मिलनी जरूरी है. पेत्रोवा इस समझौते के बाद बुधवार को कहा कि ये एग्रीमेंट IMF के कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी पर निर्भर है. पेत्रोवा ने कहा कि ईएफएफ के समर्थन से पाकिस्तान का इकोनॉमिक प्रोग्राम्स को मजबूती मिली है. इसके साथ ही देश के बाजार के भरोसे को दोबारा कायम होता जा रहा है.

दो कैटेगरी में पाकिस्तान को मिलेगा पैसा

पाकिस्तान को इस नए समझौते के तहत आईएमएफ से एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (EFF) के तहत 1 अरब डॉलर (8816 करोड़ रुपये से ज्यादा) उपलब्ध कराए जाएंगे. जबकि रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (RSF) के तहत 200 मिलियन डॉलर (करीब 1763 करोड़ रुपये) की राशि दी जाएगी. बीते सप्ताह इवा पेत्रोवा के नेतृत्व में आईएमएफ मिशन ने ईएफएफ की दूसरी समीक्षा पर पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ चर्चा की थी, जिसके बाद अब पाकिस्तान को लोन की एक और किस्त मिलने का रास्ता साफ हो गया है.

पत्रकार की हत्या में उसकी एंकर दोस्त समेत 4 को आजीवन कारावास

राष्ट्रबाण

कानपुर, कानपुर की एक शांत दोपहर थी 14 जून 2009. शहर के गोविंद नगर इलाके में खड़ी एक कार ने अचानक सबका ध्यान अपनी ओर खींचा. जब पुलिस ने कार का दरवाजा खोला तो अंदर का नज़ारा रूह कंपा देने वाला था. बोरे में ठूंसी एक लाश, शरीर पर जगह-जगह सूजे के गहरे निशान, सिर से लेकर गले तक घाव. पहचान हुई, यह बृजेश गुप्ता थे, जो खुद का लोकल चैनल चलाते थे और शहर में एक ईमानदार पत्रकार के तौर पर जाने जाते थे.

बृजेश की मौत ने पूरे कानपुर के मीडिया जगत को झकझोर दिया. पत्रकार सड़कों पर उतर आए, इंसाफ की मांग उठी. पुलिस जांच में एक ऐसा नाम सामने आया जिसने सबको चौंका दिया. बृजेश के चैनल की एंकर, कनिका ग्रोवर.

कैसे किया था प्लान?

जांच आगे बढ़ी तो खुलासा हुआ कि

16 साल बाद आया फैसला

बृजेश की हत्या सिर्फ पेशेवर ईर्ष्या नहीं, बल्कि निजी रंजिश का नतीजा थी. कनिका और उसके दो भाई सन्नी और मन्नी ने बृजेश की हत्या की साजिश रची थी. इनकी मदद कनिका के रिश्तेदार सुरजीत सिंह ने की. हत्या के बाद बृजेश की रिवॉल्वर गायब थी, जिसे बाद में पुलिस ने इन्हीं के पास से बरामद किया. बृजेश के भाई प्रभात गुप्ता ने FIR दर्ज कराई और कहा, ;मेरे भाई ने कभी किसी का बुरा नहीं किया, लेकिन इन्हें उसकी सफलता से जलन थी.' उस दिन से यह मामला कानपुर की अदालत में चलता रहा. गवाह, सबूत, और साल-दर-साल की सुनवाई.

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए BJP की दूसरी लिस्ट जारी

मैथिली ठाकुर को मिला टिकट

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है. पार्टी ने इस सूची में 12 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है. इस सूची में सबसे प्रमुख नाम प्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर और आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा का है.

बीजेपी ने युवा और चर्चित चेहरों पर दांव खेलते हुए मैथिली ठाकुर को अलीनगर विधानसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि तेज-तर्रार आईपीएस अधिकारी के रूप में पहचाने जाने वाले आनंद मिश्रा को बक्सर से टिकट दिया गया है. इस सूची में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ नए चेहरों को भी मौका देकर पार्टी ने एक संतुलित रणनीति का संकेत दिया है.

छपरा से छोटी कुमार को टिकट

भाजपा ने छपरा से छोटी कुमारी को टिकट दिया है. इसके अलावा, आरक्षित सीटों पर भी उम्मीदवारों का ऐलान किया गया है, जिसमें रोसड़ा (SC) से बीरेंद्र कुमार और अगिआंव (SC) से महेश पासवान को मैदान में उतारा गया है.

राजनीति | फिर अचानक राहुल गांधी ने 'ब्रेक' क्यों लगा दिए

महागठबंधन की गाड़ी को फुल स्पीड में चलाया

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा चुनावों के पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है, यानी कि अब केवल 2 दिन बाकी है. लेकिन महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस, वाम दलों और अन्य छोटे सहयोगियों का गठबंधन) अभी तक सीट बंटवारे की घोषणा नहीं कर पाया है. यह देरी न केवल गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े कर रही है, बल्कि एनडीए (जेडीयू-भाजपा-हम) को फायदा भी पहुंचा रही है. एनडीए ने 12 अक्टूबर को ही सीट बंटवारा (जेडीयू और भाजपा को 101-101 सीटें, एलजेपी को 29) घोषित कर दिया. हालांकि इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ सीटों को लेकर अभी तक एनडीए खेमें में भी गहमागहमी है. पर मुख्य मुद्दों पर सहमति बन चुकी है.

महागठबंधन खेमे में सबसे बड़ा विवाद कांग्रेस का है, जो आरजेडी के साथ सीटों पर अड़ी हुई है. कांग्रेस 70 सीटों की मांग कर रही है (2020 जैसी), जबकि आरजेडी 52-58 सीटें देने को तैयार है. बीच में खबरें आईं थी कि कांग्रेस 58 मजबूत सीटों के साथ तैयार हो गई है. पर पता नहीं क्यों फिर से बात बिगड़ गई.पहले चरण के लिए पर्चा दाखिला में अब केवल दो दिन बचा है , पर अभी तक प्रत्याशियों के नामों पर फैसला नहीं हो सका है. इसके अलावा, तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का आधिकारिक चेहरा घोषित न करने का मुद्दा भी चल रहा है. तेजस्वी लगातार खुद को सीएम चेहरा घोषित कर रहे हैं पर सहयोगी दल कांग्रेस एक बार भी खुलकर उनके नाम पर मुहर नहीं लगा रही है. जिससे गठबंधन में असहजता से इनकार नहीं किया जा सकता है. अगर पिछले विधानसभा चुनावों का विश्वलेषण करें तो महागठबंधन को इस बार लीड करना चाहिए था. पर कांग्रेस की लेट लतीफी गठबंधन को भारी पड़ रही है.

राहुल गांधी की ऐन मौके पर लंबी विदेश यात्रा

ऐसे समय में जब देश के एक महत्वपूर्ण राज्य में विधानसभा चुनाव हो रहा है, राहुल गांधी का 10 दिन के विदेश यात्रा पर जाना यानि कम से कम 2 हफ्ते की छुट्टी भी कांग्रेस सहित महागठबंधन को भारी पड़ी है. ऐसे समय जब बिहार में पार्टी मजबूत हो रही थी राहुल गांधी का गायब होना कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए किसी सदमे से कम नहीं था. बिहार में महागठबंधन की सीट शेयरिंग पर विवाद चल रहा है. कांग्रेस 65 से अधिक सीटें मांग रही है, जबकि आरजेडी 55 तक सीमित रखना चाहती है. जाहिर है कि राहुल गांधी इंडिया में रहते तो अब तक कई दौर की बातचीत हुई होती. राहुल गांधी अगर खुद भी बातचीत में शामिल नहीं होते तो भी कम से कम उनका रहना फैसलों को प्रभावित करता. राहुल की अनुपस्थिति में यह विवाद सुलझ नहीं सका. तेजस्वी यादव को सीएम चेहरा घोषित करने का मुद्दा भी लटका हुआ है.

कांग्रेस की लेटलतीफी हमेशा से सहयोगी दलों के लिए भारी पड़ती है

याद करिए 2024 का लोकसभा चुनाव. समाजवादी पार्टी और कांग्रेस यहां मिलकर चुनाव लड़ रहे थे. समाजवादी पार्टी ने अपनी पूरी तैयारी कर रखी थी.सभी सीटों पर उनके कैंडिडेट भी तैयार थे. पर कांग्रेस की ओर बार-बार डिले हो रहा था. अखिलेश यादव को मजबूरी में अपनी ओर से सपा कैंडिडेट का नाम पहले जारी करना पड़ा. यहां तक कि पहले चरण के चुनाव तक समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की कोई संयुक्त सभा तक नहीं हो सकी .ताकि जनता के बीच ये संदेश जाए कि दोनों ही पार्टियां साथ चुनाव लड़ रही हैं. किसी तरह जल्दी जल्दी में पहले चरण के चुनाव के एक या दो दिन पहले गाजियाबाद में एक पीसी हुई.

राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दिखा 'मिस्टर इंडिया'?

सुबह दिखने वाले नाम शाम को गायब, MAVIA नेताओं ने पेश की चौंकाने वाली 'हकीकत'

राष्ट्रबाण

मुंबई. बॉलीवुड की 'मिस्टर इंडिया' फिल्म काफी मशहूर है. इस फिल्म में अनिल कपूर के पास एक जादुई घड़ी थी. जब वह उस घड़ी को पहनते थे, तो उन्हें कोई नहीं देख सकता था. बस एक ही अपवाद था. उन्हें लाल कांच के चश्मे से देखा जा सकता था. या फिर लाल बत्ती की रोशनी में. इस फिल्म में मिस्टर इंडिया हीरो थे. इसलिए उन्हें उस गैजेट का इस्तेमाल अच्छे कामों के लिए या बुरी प्रवृत्तियों से लड़ने के लिए करते देखा गया था. तभी से 'मिस्टर इंडिया' की अवधारणा मशहूर हो गई है. जब कुछ घटनाएं होती हैं, लेकिन यह समझ नहीं आता कि उसके पीछे कौन है, तो कहा जाता है कि वह मिस्टर इंडिया ही होगा. अब भी महाराष्ट्र की राजनीति में, क्या वाकई चुनाव आयोग की वेबसाइट पर 'मिस्टर इंडिया' है? यह सवाल उठ रहा है.क्या यह मिस्टर इंडिया असली है या नहीं? या यह सिर्फ एक कल्पना है? यही असली सवाल उठा है. लेकिन महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने सबूत पेश करके दावा किया है, अगर वह दावा सच है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर वाकई कोई मिस्टर इंडिया है. लेकिन क्या ये मिस्टर इंडिया हैं और अगर हैं, तो क्या सिस्टम उन्हें ढूंढने में कामयाब होगा? ये एक बड़ा सवाल है. महा विकास अघाड़ी के नेताओं ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो बातें रखीं, वो वाकई चौंकाने वाली हैं.

एक घर में 800 वोट, जयंत पाटिल ने सूची पढ़ी

नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र की महिला सुषमा गुप्ता का नाम दोपहर 3 बजे सूची में था. लेकिन शाम 6 बजे इसे हटा दिया गया. यह घटना 12 अगस्त की है. सवाल पूछा गया कि उनका नाम किसने हटाया, लेकिन चुनाव आयोग को इसकी जानकारी नहीं है. मुरबाड निर्वाचन क्षेत्र की सूची में एक घर के आगे एक डैश लिखा है और उस घर में 400 वोट हैं. पुणे छावनी में एक ही घर में 869 घर हैं. मध्य नासिक में एक ही घर में 813 मतदाता दिखाए गए हैं. बडनेरा में मकान संख्या शून्य में कई मतदाता हैं. हम हवा में बात नहीं कर रहे हैं, जयंत पाटिल ने कहा.

विपक्ष का असली मुद्दा क्या है?

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने इस मुद्दे को बहुत ही साफ़ शब्दों में उठाया. राज ठाकरे ने कहा, जब भी सुबह न्यूज चैनल पर किसी फ़र्ज़ी सूची की ख़बर आती है, तो वह शाम छह बजे गायब हो जाती है. चुनाव आयोग को उस पूरी ख़बर और सूची के बारे में कोई जानकारी नहीं है. केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग, दोनों को ही कोई जानकारी नहीं है. उन्होंने कहा कि जानकारी मिलने के बाद वह आपको बताएँगे. अब सवाल यह है कि मतदाताओं की सूचियाँ उनकी वेबसाइट से गायब हो गई हैं, जो आपके चैनल पर दिखाई दे रही थीं.

महाराष्ट्र में फिर 'मराठी बनाम गैर-मराठी' विवाद

दिवाली की दुकान लगाने पर महिलाओं के बीच झड़प

राष्ट्रबाण

मुंबई.महाराष्ट्र में एक बार फिर से मराठी बनाम गैर-मराठी विवाद शुरू हो गया है. इस बार मुंबई से सटे ठाणे जिले में नए विवाद ने जन्म ले लिया है. डोंबिवली में मंगलवार को दुकान लगाने को लेकर मराठी और गैर-मराठी भाषी समूहों के बीच तीखी छिड़ हो गई.यह बहस इतनी आगे बढ़ गई कि एक महिला दुकानदार ने अपने ऊपर मिट्टी का तेल छिड़क लिया और आत्मदाह का प्रयास किया. पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, चौंकाने वाला यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोगों और अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और महिला को रोका, वरना बड़ा हादसा हो सकता था.

विवाद के बीच पैदा हुआ गतिरोध

बताया जा रहा है कि गुप्ते रोड पर हुए इस विवाद के कारण कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम जैसी स्थिति बन गई. शांति बहाल करने के लिए नगर निगम के अधिकारियों और स्थानीय नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा. इस बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते दोनों समूहों में विवाद बढ़ गया. इस झड़प में ज्यादातर महिला विक्रेताएं ही थीं, जिनके बीच गाली-गलौज शुरू हो गई. पुलिस ने बड़ी मेहनत से मामले को शांत कराया.

महाराष्ट्र में रुकेंगे नगर निकाय चुनाव?

राज-उद्धव ठाकरे की इस मांग से सियासी खलबली

राष्ट्रबाण

मुंबई.महाराष्ट्र में नगर निगम के चुनावों से पहले विपक्षी गठबंधन दल महाविकास अघाड़ी (MVA) के सहयोगी दलों के साथ-साथ राज ठाकरे की मनसे ने वोटर लिस्ट पर कई सवाल खड़े किए हैं. दरअसल, महाविकास अघाड़ी के बड़े नेताओं और राज ठाकरे ने चुनाव आयोग से मुलाकात की और फिर प्रेस कांफ्रेंस के जरिए जानकारी दी कि उन्होंने महाराष्ट्र की मतदाता सूची में क्या-क्या खामियां पाई हैं.

इसी के साथ विपक्षी गठबंधन की ओर से यह दावा किया गया है कि जब तक वोटर लिस्ट में सुधार नहीं हो जाते, नगर निकाय चुनाव कराने मुश्किल हो सकते हैं. बता दें, इस प्रेस कांफ्रेंस में उद्धव ठाकरे, राज कांग्रेस के साथ बालासाहेब थोरात, विजय वड्डेटीवार और एनसीपी के जयंत पाटील मौजूद हैं. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि कल उन्होंने केंद्रीय निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी और बुधवार राज्य और केंद्रीय निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधियों से मुलाकात की. प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि चुनाव का नाम लेते ही राजनीतिक दल और मतदाता सामने आते हैं.

रत्नागिरी जिले में भारी बारिश के साथ बिजली गिरी

राष्ट्रबाण

रत्नागिरी. रत्नागिरी जिले में बुधवार दोपहर से गरज और बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश हो रही है. जिले में बारिश तेज़ होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. दिवाली की खरीदारी के लिए ग्राहकों से खचाखच भरे बाज़ार इस बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं.रत्नागिरी जिले में पिछले कुछ दिनों से अक्टूबर जैसी गर्मी पड़ रही थी. बढ़ती गर्मी असहनीय होती जा रही थी. हालाँकि, बुधवार दोपहर से जिले के सभी हिस्सों में बिजली कड़कने के साथ बारिश हुई है, जिससे ज़िलेवासियों को बढ़ी हुई गर्मी से राहत मिली है. हालाँकि, इस बारिश ने किसानों को झकझोर कर रख दिया है.कोंकण में बड़े पैमाने पर चावल की कटाई होती है. किसान दिवाली से पहले चावल की कटाई का काम करते हैं.

एसटी बैंक निदेशक मंडल की बैठक में तूफान

सदावर्ते और शिवसेना गुटों के बीच झड़प

राष्ट्रबाण

मुंबई.मुंबई एसटी बैंक में भारी हंगामा होने की जानकारी सामने आ रही है. एसटी बैंक की बोर्ड मीटिंग में बड़ा हंगामा हुआ है. जानकारी सामने आ रही है कि वकील गुणरत्न सदावर्ते और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हंगामा हुआ. जानकारी सामने आ रही है कि दोनों गुटों के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर मारपीट हुई. बताया जा रहा है कि इस मामले में नागपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. दोनों संगठनों ने

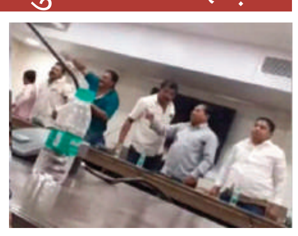

एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार और अश्लील व्यवहार के आरोप में बाहर से लोगों को बुलाकर मारपीट करने का आरोप लगाया है.

बोर्ड मीटिंग का एक वीडियो सामने आया है. इस मीटिंग में एक व्यक्ति बोर्ड मीटिंग के वीडियो का विरोध कर रहा है. व्यक्ति का कहना है कि मीटिंग की जानकारी लीक नहीं होनी चाहिए. जब सामने वाला व्यक्ति उसका विरोध करता है, तो बोलने वाले व्यक्ति की तरफ वाला व्यक्ति हड़बड़ाकर उठता है और उस पर बोतल फेंक देता है. इसके बाद संबंधित व्यक्ति सामने बैठे लोगों की ओर जाता है. इसी दौरान दोनों गुटों के बीच मारपीट शुरू हो जाती है. इस दौरान काफी गाली-गलौज भी की गई. वायरल वीडियो में यह हंगामा साफ दिखाई दे रहा है.प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुंबई एसटी बैंक के निदेशक मंडल की एक बैठक आयोजित की गई थी. इस बैठक में गुणरत्न सदावर्ते के पैनल के सभी निदेशक और शिवसेना नेता आनंदराव अडसुल के पैनल के सभी निदेशक मौजूद थे.

नाइजीरियन के पास मिली 42 लाख की ड्रग्स

विदेश से आकर कैसे करने लगा स्मगलिंग, जांच में जुटी

राष्ट्रबाण

पालघर. महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने एक नाइजीरियन नागरिक को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से 214 ग्राम मेफेड्रोन (MD) बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 42.8 लाख रुपये आंकी गई है. यह सिंथेटिक स्टिमुलेंट ड्रग नारकोटिक ड्रग्स और साइको-ट्रॉपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट के तहत प्रतिबंधित है.

एजेंसी के अनुसार, यह गिरफ्तारी 11 अक्टूबर को एंटी-नारकोटिक्स सेल की नियमित पेट्रोलिंग के दौरान हुई. टीम ने नालासोपारा के क्रिकेट क्लब ग्राउंड के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध हालात में घूमते हुए देखा.

आरोपी के पास मिली इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित ड्रग्स यह संकेत है कि राज्य और देश में ड्रग्स की तस्करी के अंतर-राष्ट्रीय नेटवर्क अभी भी सक्रिय हैं. पुलिस अब आरोपी के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड, लेन-देन और संपर्कों की जांच कर रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके. फिलहाल कालु बैसी चुक्वुएमेका की हिरासत में पूछताछ जारी है और पुलिस उम्मीद कर रही है कि इससे पूरे सप्लाई नेटवर्क का खुलासा होगा.

जब उसे रोका गया और तलाशी ली गई, तो उसके पास से प्रतिबंधित ड्रग्स बरामद हुई.

गिरफ्तार आरोपी की पहचान 45 वर्षीय कालु बैसी चुक्वुएमेका के रूप में हुई है. वह नालासोपारा के प्रगति नगर में रह रहा था. वह नाइजीरियन नागरिक है. पुलिस ने बताया कि आरोपी को NDPS एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

पालघर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है. पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां यह पता लगाने में लगी हैं कि यह ड्रग सप्लाई नेटवर्क कैसे काम कर रहा था और इसके अन्य सदस्य कौन हैं. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह ड्रग किस बड़े नेटवर्क का हिस्सा है या इसे सीधे अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चैन से लाया गया है.

फास्ट ट्रैक

बिजी रोड पर शख्स को 'तमंचा' दिखाकर दौड़ाया

राष्ट्रबाण

पुणे.दिवाली बस कुछ ही दिन दूर है. दिवाली के मौके पर आतिशबाजी कोई नई बात नहीं है. कहते हैं कि प्रतिस्पर्धा का दौर है. अगर कोई व्यवसाय करना है, तो विज्ञापन और प्रमोशन ज़रूरी है. ऐसे में पटाखे बेचने वाले अपनी दुकानों के प्रचार में भी जुटे हैं. इसी दौरान महाराष्ट्र के पुणे में अजीबोगरीब और आपराधिक तरीके से पटाखा दुकानों का प्रचार करना एक इंस्टा रील स्टार को महंगा पड़ गया है. वाकड पुलिस ने प्रचार करने वाले रील्स स्टार को थाने लाकर नोटिस दिया है.दरअसल, सामने आए पटाखा विक्रेता के वीडियो में वह सड़क पर एक शख्स को बंदूक से डराता दिख रहा है. शख्स घबराकर तेजी से दौड़ता है और आसपास के लोग दहशत में आ जाते हैं. इतने में वीडियो का फ्रेम बदलता है और शख्स अपनी पटाखे की दुकान और बारूद की ताकत समझाने लगता है.

बिल्डिंग के तीसरे फ्लोर से कूदा

घरेलू समस्या से तंग बुजुर्ग ने किया सुसाइड

राष्ट्रबाण

पुणे.महाराष्ट्र के पुणे शहर में बुधवार को एक 61 वर्षीय व्यक्ति ने अदालत की इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. बताया जाता है कि व्यक्ति ने यह कदम कुंठा में उठाया. एक अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति ने बिल्डिंग से कूदकर सुसाइड कर लिया. बाद में उसकी जेब से एक नोट मिला और प्राथमिक जांच से पता चला है कि घरेलू समस्या को लेकर कुंठा के कारण व्यक्ति ने यह कदम उठाया. यह घटना शिवाजीनगर स्थित जिला अदालत की नई इमारत में सुबह करीब 11.45 बजे हुई.शिवाजी-नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुणे के वडकी इलाके के निवासी यशवंत जाधव ने अदालत की इमारत की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी. अधिकारी ने कहा, व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. घटना की आगे की जांच जारी है.स्थानीय लोगों ने बताया कि व्यक्ति तीसरी मंजिल पर गया और अचानक से कूद गया.

हमने भी भाजपा को लिखा था पत्र

चुनाव आयोग की बैठक के बाद उद्धव का बड़ा खुलासा

राष्ट्रबाण

मुंबई. मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के मुद्दे पर महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दल एकजुट हैं. राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने से पहले, हमने भाजपा को भी पत्र लिखा था. लेकिन भाजपा की ओर से कोई भी इस बैठक में नहीं आया. विधानसभा चुनाव के बाद से यह मुद्दा सामने आया है. मतदाता सूची में एक-एक व्यक्ति का नाम चार-चार जगहों पर दर्ज है, यह सारा खेल चल रहा है. अगर चुनाव होने हैं, तो निष्पक्षता से होने चाहिए, वरना चुनाव कराने के बजाय, हमने दोनों चुनाव आयुक्तों को चयन के ज़रिए सरकार बनाने को कहा है. अब बस यही बचा है,शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा. राज्य चुनाव आयुक्त के साथ बैठक के बाद विपक्षी दलों की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उद्धव ठाकरे ने यह आलोचना की.

उद्धव ठाकरे ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग के अधिकारियों की कड़ी आलोचना की. उन्होंने कहा, मैं चुनाव आयोग का अपमान नहीं करना चाहता, लेकिन बैठक में हमें लगा कि चुनाव आयुक्त के तौर पर इन दोनों के पास अधिकार हैं या हम कठपुतलियों से बात कर रहे हैं. उद्धव ठाकरे ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि स्थानीय निकाय चुनावों के लिए 1 जुलाई की मतदाता सूची ही मान्य होगी. यानी 1 जुलाई के बाद 18 साल की उम्र पूरी करने वालों को इस चुनाव में वोट देने का अधिकार नहीं मिलेगा.

जिला प्रशासन ने जिंदल कंपनी के गैस टर्मिनल प्रदूषण पर रिपोर्ट मांगी

राष्ट्रबाण

रत्नागिरी. जिला प्रशासन ने जयगढ़ स्थित जिंदल कंपनी के विवादास्पद गैस टर्मिनल के खिलाफ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, समुद्री निगम और जिला कृषि विभाग से तत्काल रिपोर्ट मांगी है. ये सभी विभाग जल्द ही इसका निरीक्षण कर जिला प्रशासन को रिपोर्ट सौंपेंगे.पूर्व राज्य मंत्री बच्चू कडू ने आरोप लगाया है कि जयगढ़ स्थित जिंदल कंपनी ने फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर गैस टर्मिनल के निर्माण के लिए फर्जी प्रमाण पत्र हासिल किया है. इस आरोप को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने

उप-क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रदूषण पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है. साथ ही, महाराष्ट्र समुद्री निगम से गैस टर्मिनल से संबंधित प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट मांगी गई है.रत्नागिरी में आयोजित अधिकार मार्च में प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व राज्य मंत्री बच्चू कडू ने जिंदल कंपनी द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाई.

'स्पेशल 15' कद्दावर नेताओं की होगी भाजपा में एंट्री

राष्ट्रबाण

पुणे.स्थानीय निकाय चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पार्टी को मज़बूत करने के लिए दूसरे दलों से बड़ी संख्या में लोगों को पार्टी में शामिल करना शुरू कर दिया है. पुणे में भारतीय जनता पार्टी ने सभी दलों को चौंकाते हुए कई बड़ी मछलियाँ पकड़ी हैं. इसमें सत्ताधारी कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और रामदास अठावले की आरपीआई शामिल हैं. इसलिए आने वाले हफ़्ते में पुणे में बड़ा राजनीतिक उलटफेर होने की संभावना है.

हाल ही में पुणे में भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी महाराष्ट्र संभाग की एक

2 सहयोगियों पर भी पड़ेगी मार

बैठक हुई. इस बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले जैसे नेता शामिल हुए. इस बैठक में इस बात पर लंबी चर्चा हुई कि पार्टी में किसे शामिल किया जाए. इस चर्चा के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सामने आए और उन्होंने इन लोगों के शामिल होने पर अपनी प्रतिक्रिया भी दी.देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि मज़बूत उम्मीदवारों को पार्टी में शामिल किया जाएगा. इस बीच, फडणवीस ने कहा था कि अगर मूल भाजपा नेताओं के शामिल होने पर कोई आपत्ति है, तो उन्हें भी मना लिया जाएगा. फडणवीस की प्रतिक्रिया के ठीक 2 दिन बाद, पुणे भाजपा ने अपना जाल बिछाया है और कांग्रेस, राकांपा और आरपीआई से 15 बड़ी मछलियाँ पकड़ी हैं.कहा जा रहा है कि यह सब आगामी दिवाली से पहले हो जाएगा और इस संबंध में एक सूची भी तैयार कर ली गई है. इन 15 में से सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को लगेगा. शहर में कांग्रेस का एक बड़ा नेता 5 से 6 पूर्व नगरसेवकों को साथ लेकर भाजपा में शामिल होना तय है. पार्टी में गुटबाजी से तंग आकर कांग्रेस के इस राज्यस्तरीय नेता ने कमल हाथ में लेने का फैसला किया है.

अजित पवार ने खेल को नुकसान पहुंचाया, खर्च का हिसाब नहीं दिया

भाजपा नेता के आरोपों से पुणे में माहौल गरमाया

राष्ट्रबाण

पुणे.राज्य में महागठबंधन की सरकार होने के बावजूद, सत्तारूढ़ भाजपा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच अंदरूनी प्रतिद्वंद्विता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ही, दोनों दलों के बीच तनाव अब खेल जगत में भी दिखाई देने लगा है.

महाराष्ट्र ओलंपिक संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और केंद्रीय मंत्री व पुणे के सांसद मुरलीधर मोहोल एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतर

आए हैं. 2 नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले ही राजनीतिक माहौल गरमा गया है और भाजपा ने अजित पवार को तुरंत पद से हटाने की मांग की है.

इस पर बोलते हुए, भाजपा नेता और महाराष्ट्र पहलवान संघ के अध्यक्ष रामदास तड़स ने कहा है, 'केवल पूर्व खिलाड़ियों को ही खेल संगठनों का नेतृत्व करने दें, इसमें राजनीति न घसीटें. अजित पवार की अध्यक्षता में पिछले कुछ वर्षों में खेल जगत को नुकसान हुआ है और उनकी समिति ने अपना वित्तीय लेखा-जोखा भी स्पष्ट नहीं किया है,' तड़स ने गंभीर आरोप लगाया है. इसलिए, अगर अजित पवार चुनाव से हट जाते हैं, तो मुरलीधर मोहोल जैसे पूर्व खिलाड़ियों के नेतृत्व में महाराष्ट्र का खेल क्षेत्र और अधिक सक्षम और पारदर्शी बन जाएगा. रामदास तड़स ने भी यही कहा है.

चुनाव आयोग नहीं सुनता तो आंदोलन ही रास्ता: सुशील शिंदे

राष्ट्रबाण

नासिक. विपक्षी दल अतीत में हुई गलतियों को सुधारने में जुटा है. राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव में हुई गलतियों, जिनमें मतदाता सूची में गड़बड़ी भी शामिल है, की पूरी जानकारी दी है, फिर भी आयोग अपनी आँखें नहीं खोल रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि अगर चुनाव आयोग नहीं सुनता है, तो आंदोलन ही एकमात्र विकल्प बचा है.

शिंदे ने यहाँ कविवर्य नारायण सुर्वे पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा आयोजित साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन किया. इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से

बातचीत की. राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न राज्यों में हुए चुनावों में गड़बड़ी की स्थिति बनी रही. मतदाता सूची में नाम गायब होने, गाँवों के गायब होने जैसी कई त्रुटियों की जानकारी देने के बाद भी चुनाव आयोग कुछ नहीं कर रहा है. हमने चुनाव आयोग आयुक्त से मुलाकात कर चर्चा की है. इस संबंध में एक कानून बनाया जाना चाहिए, अगर कोई गलती है, तो उसे ध्यान में लाना आवश्यक है. अगर इस स्थिति से निकलने का कोई रास्ता नहीं है, तो आंदोलन ही एकमात्र विकल्प बचा है. इसके लिए हमें विरोध प्रदर्शन करना होगा, शिंदे ने कहा.

स्थानीय निकाय चुनावों के सिलसिले में महा विकास अघाड़ी के लिए कांग्रेस पदाधिकारी एक साथ बैठक करेंगे. और उन्होंने कहा कि वे इस पर निर्णय लेंगे. उन्होंने नक्सलवाद को रोकने के लिए काम करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई दी. मुख्यमंत्री फडणवीस ने विश्वास व्यक्त किया है कि 2026 तक नक्सलवाद का उन्मूलन हो जाएगा. वास्तव में, यह संभव नहीं है. लेकिन, अगर मुख्यमंत्री इसके लिए प्रयास कर रहे हैं, तो शुभकामनाएं. कई लोगों ने पहले भी नक्सलवाद की समस्या को हल करने की कोशिश की है.

योजना | क्या बोले 'लाडला भाई' एकनाथ शिंदे?

धड़ाधड़ बंद हुई योजनाएं, लाड़की बहिन पर संकट?

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के पीछे मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना (Ladli Behna Yojana) को एक बड़ा फैक्टर माना गया था. महिलाओं ने महायुति के पक्ष में बंपर वोटिंग की थी, लेकिन राज्य में पिछले एक साल में जिस तरह से शिंदे के जमाने पर शुरू हुई योजनाएं बंद हुई हैं, उसके बाद लाडकी बहिन योजना के भविष्य पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. इस तरह की आशंकाएं विपक्ष के नेताओं के द्वारा ही नहीं बल्कि सरकार के मंत्री व्यक्त कर रहे हैं. छगन भुजबल ने माझी लाडकी बहीण योजना के फंड की कमी को उठाते हुए कहा था कि इस योजना को बंद करना पड़ेगा. अब डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा है कि योजना बंद नहीं होगी? मंगलवार को उन्होंने अजित पवार की मौजूदगी में ऐसा कहा.शिवसेना यूबीटी के नेता और महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के पूर्व नेता अंबादास दानवे ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि जिन योजनाओं से आम आदमी को फायदा होने की उम्मीद थी, उन्हें बंद करके फडणवीस सरकार ने अपने ही सहयोगियों के फैसलों की धज्जियां उड़ा रहे हैं.

अब तक बंद हुई हैं 8 योजनाएं

विपक्ष का आरोप है कि 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण' (लाडली बहन) योजना के कारण महाराष्ट्र सरकार की तिजोरी खाली हो गई है. इसके परिणाम स्वरूप कई महत्वपूर्ण योजनाएं कागजों में सिमटकर रह गई हैं तो वहीं एकनाथ शिंदे के नेतृत्वात वाली कापूर्ववती सरकार कार्यकाल में शुरू की गई कई लुभावनी योजनाओं को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार एक-एक करके बंद कर रही है.

ये योजनाएं हो चुकी हैं बंद

- आनंदाचा शिधा
- मेरा सुंदर स्कूल बंद
- 1 रुपए में फसल बीमा
- स्वच्छता मॉनिटर
- 1 राज्य 1 वर्दी
- प्यारे भाई के लिए अप्रेंटिसशिप
- योजना दूत योजना बंद
- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

आलिया ने होने वाली मां को भेजा तोहफा

आलिया भट्ट और परिणीति चोपड़ा के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है, क्योंकि कई साल पहले दोनों एक्ट्रेसेस ने लगभग एक ही समय पर अपने करियर की शुरुआत की थी. अब, जब परिणीति चोपड़ा मां बनने वाली हैं और आलिया जो पहले से ही मां हैं, उन्होंने होने वाली मां के लिए एक खास तोहफा भेजा है.

वहीं परिणीति ने इंस्टाग्राम पर आलिया का तोहफा शेयर किया और उनका शुक्रिया अदा किया.परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इस साल अगस्त में अपने माता-पिता बनने की खबर सभी के साथ शेयर की थी. परिणीति चोपड़ा ने दो तस्वीरों का एक सेट शेयक किया, जो हज़ारों शब्द बयां कर रहा था. पहली तस्वीर एक केक की थी, जिस पर एक आइसिंग लगी थी जिस पर लिखा था: '1+1=3', उसके बाद एक नन्हे बच्चे के पैर. इसके बाद एक वीडियो भी शेयर किया गया जिसमें गर्भवती परिणीति अपने पति राघव चड्ढा का हाथ थामे एक पार्क में टहल रही थीं.जैसे ही इस कपल ने यह ज्वाइंट पोस्ट डाला, सेलेब्स ने कमेंट सेक्शन में बधाई देना शुरू कर दिया था. सोनम कपूर, जो 3 साल के वायु की मां हैं, उन्होंने लिखा, 'बधाई हो डार्लिंग'. हुमा कुरैशी, रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर ने भी उन्हें बधाई दी थी.

अनिल की नई फिल्म का बड़ा अपडेट

इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं. तो कुछ पर लगातार काम भी किया जा रहा है. जिसका ऐलान काफी वक्त पहले ही कर दिया गया था. 68 साल की उम्र में धमाल मचा रहे अनिल कपूर भी लगातार काम कर रहे हैं. कुछ वक्त पहले ही उनकी वाईआरएफ में एंट्री हुई. वो सभी फिल्मों में बतौर रॉ चीफ नजर आएंगे. एक्टर ने इस किरदार की शुरुआत ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' से की. पर सबसे महंगी फिल्म ही पिट गई और उनका एक्शन भी काम नहीं आया. अब एक्टर कई फिल्मों का हिस्सा बनने वाले हैं. जिसमें शाहरुख खान की 'किंग' भी शामिल है. इसी बीच अपनी बड़ी फिल्म पर अपडेट दिया है. हाल ही में अनिल कपूर की फिल्म के डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया. जिसमें अनिल कपूर और सौरभ शुक्ला एक साथ डबिंग करते नजर आ रहे हैं. साथ ही कैप्शन लिखा कि- फिल्म स्कूल. साथ ही नई रिपोर्ट से जानकारी मिली कि एक्टर ने सूबेदार की डबिंग फाइनली कंप्लीट कर ली है. दरअसल अनिल कपूर फिल्म में सूबेदार अर्जुन सिंह का किरदार निभा रहे हैं. जिनकी जिंदगी में काफी उतार-चढ़ाव रहे. न सिर्फ ड्यूटी, बल्कि पर्सनल लाइफ की कहानी को भी बड़े पर्दे पर लाया जाएगा. कुछ वक्त पहले अनिल कपूर ने भी एक अपडेट शेयर किया था. गौर से सुनो सूबेदार बोल रहा है. वो तस्वीर भी डबिंग बूथ से थी. इस साल फरवरी में ही अनिल कपूर फिल्म का शूट कंप्लीट कर चुके हैं.

रोहित बने सेलिब्रेट लार्ज कैंपेन का चेहरा

सीग्राम के रॉयल स्टैग पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने अपने नए त्योहारी अभियान सेलिब्रेट लार्ज हम हैं जनरेशन लार्ज, हमारा हर सेलिब्रेशन लार्ज की घोषणा की है। यह अभियान आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक जड़ों का एक अनोखा मेल है, जो युवाओं को अपने उत्सवों को और भी बड़े और यादगार अंदाज़ में मनाने के लिए प्रेरित करता है। अभियान का केंद्रबिंदु एक एआई-संचालित, व्यक्तिगत फेस्टिव ग्रीटिंग अनुभव है, जिसमें उपयोगकर्ता टीम इंडिया के स्टार रोहित शर्मा के साथ एकदम असली जैसा वीडियो शुभकामना संदेश बना सकते हैं। इस अनुभव को रीजेनरेटिव एआई और एडवांस वॉइस सिंथेसिस तकनीक द्वारा समर्थित किया गया है, जो त्योहारों की बधाई को एक घनिष्ठ और भावनात्मक पल में बदल देता है। अभियान में एक 3डी फेस्टिव मैप भी शामिल है,

जो एक इंटरैक्टिव और विज़ुअल रूप से समृद्ध एआर अनुभव प्रदान करता है। यह उपभोक्ताओं को उत्सव के केंद्र में रखता है और 'लिव इट लार्ज'की भावना को जीवंत करता है। अभियान में भारतीय टी 20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी जुड़े हैं, जो उपहार, भोजन, फैशन और संगीत जैसे प्रमुख उत्सव तत्वों पर व्यक्तिगत सुझाव प्रदान करते हैं। इन टिप्स के ज़रिए यूज़र्स अपने हर पल को और भी खास बना सकते हैं इस त्योहारी अभियान में रॉयल स्टैग और गाना ऐप की साझेदारी भी शामिल है। दोनों ब्रांड मिलकर उपभोक्ताओं को यादगार, अनोखे और व्यक्तिगत उत्सव अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इएनआईएल के सीईओ यतीश महर्षि ने कहा, "गाना और रॉयल स्टैग की साझेदारी तकनीक, रचनात्मकता और नवाचार के ज़रिए उत्सवों के अनुभव को फिर से परिभाषित कर रही है।

दिग्गज एक्ट्रेस मधुमती का निधन

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस मधुमती ने अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपने डांस से भी लोगों का दिल जीता है. लेकिन अब उनके चाहने वालों के लिए एक दुखद खबर सामने आई है. मधुमती का निधन हो गया है. विंदू दारा सिंह ने दिग्गज अभिनेत्री के निधन की खबर को कंफर्म किया है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सभी के साथ इस खबर को शेयर किया है.

एक्टर विंदू ने बताया कि आज सुबह जब वह उठीं, एक गिलास पानी पिया और हमेशा के लिए सो गईं, तो हम सभी ने

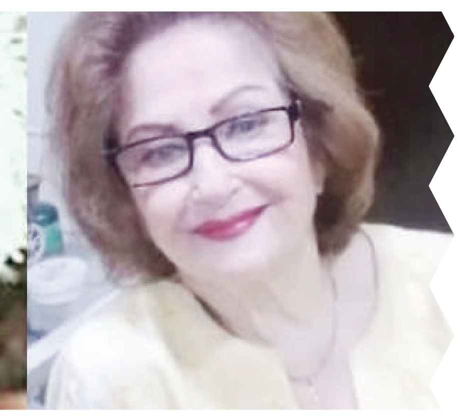

अपने किसी करीबी को खो दिया! फिल्मों में अपने नृत्यों के साथ वह हमेशा अमर रहेंगी! कहा जाता है कि मधुमती के लिए डांस उतना ही जरूरी था जितना की जिंदा रहने के लिए खाना, पीना और सांस लेना. मधुमती का जन्म 30 मई 1944 को मुंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था. अभिनेत्री के पिता जज थे.

बचपन से ही मधुमती को डांस का शौक था और इसी के चलते उनका पढ़ाई- लिखाई में मन कम ही लगता था. उन्होंने डांस भी सीखा था और वह खुद भी आगे चलकर डांस सिखाया करती थीं. दिग्गज अभिनेत्री भारतनाट्यम, कथक, मनिपुरी और कथकली के अलावा फिल्मी डांस भी करती थीं. मधुमती की तुलना अक्सर दिग्गज एक्ट्रेस हेलेन के साथ की जाती थी. इस बारे में मधुमती ने कहा था, 'हम दोनों दोस्त थे लेकिन हेलेन जी सीनियर थी. फिल्म फ्रेटरनिटी को हम दोनों के लुक्स एक जैसे लगते थे और कुछ लोग हमेशा हमारी तुलना करते रहते थे. लेकिन हम कभी इससे परेशान नहीं हुए.मधुमती ने मनोहर दीपक संग शादी की थी. वह उम्र में एक्ट्रेस से काफी बड़े थे और 4 बच्चों के पिता भी थे. उनकी पत्नी का निधन हो चुका था. मधुमती की मां दीपक को पसंद तो करती थीं लेकिन उनसे अपनी बेटी की शादी करवाने के लिए राजी नहीं थी. हालांकि मां की मर्जी के खिलाफ जाकर मधुमती ने दीपक मनोहर से 19 साल की उम्र में शादी कर ली.

क्या सच में प्रेग्नेंट हैं सोनाक्षी ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपने पति जहीर इकबाल के साथ शादीशुदा जिंदगी का आनंद ले रही हैं. शादी के बाद वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. हाल ही में वह अबू धाबी की एक मस्जिद में सिर पर दुपट्टा ओढ़े नजर आई थीं, और अब एक बार फिर वह प्रेग्नेंसी की अफवाओं को लेकर चर्चा में हैं. वहीं सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में डिजाइनर विक्रम फडनीस के एक फैशन शो में अपने पति जहीर इकबाल के साथ स्टाइलिश अंदाज में पहुंची थी. सोनाक्षी ने इस इवेंट के लिए लाल रंग की फूलों वाली अनारकली ड्रेस पहनी थी, जिसमें वह बेहद प्यारी लग रही थीं. लेकिन उनकी इस ड्रेस और पोज देने के तरीके की वजह से उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें फैल गईं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में फैंस ने देखा कि रेड कार्पेट पर पोज देते समय सोनाक्षी बार-बार अपने पेट को दुपट्टे और हाथ से ढकने की कोशिश कर रही थीं. सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद, कई यूजर्स ने जोड़े की तारीफ की, वहीं कई लोगों ने उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लगानी शुरू कर दीं. इस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट किया, ₹मुझे लगता है वह प्रेग्नेंट है.₹ एक और यूजर ने लिखा है, ₹ये प्रेग्नेंसी ग्लो है.₹ आपको बता दें कि इस साल बॉलीवुड के कई सेलेब्स पेरेंट्स बने हैं. वहीं कई सेलेब्स पेरेंट्स बनने वाले भी हैं. ऐसे में सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी से फैंस बहुत खुश होंगे.हालांकि, सोनाक्षी सिन्हा ने पहले भी इस तरह की अफवाहों पर अपनी राय दी है. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, ₹आपको एहसास होता है कि लोग वही कहेंगे जो वे कहना चाहते हैं,

डांस फ्लोर पर छाए अगस्त्य और सुहाना

दिवाली सीजन में बॉलीवुड गलियारों में इन दिनों पार्टी की धूम है. हर दिन किसी ना किसी सेलेब्स के घर पर ग्रैंड पार्टी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें स्टार्स अपने ग्लैमरस लुक और मस्तीभरे मूड से लाइमलाइट चुरा लेते हैं. इस बार सबसे ज्यादा चर्चा में हैं शाहरुख खान की बेटी सुहाना

खान और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा. दोनों का साथ में एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें ये स्टार किड्स ऐश्वर्या राय के सुपरहिट गाने पर झूमते नजर आ रहे हैं. दरअसल, डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हाल ही में अपनी दिवाली पार्टी का आयोजन किया था, जहां पूरा बॉलीवुड उमड़ पड़ा था. इसी पार्टी से सुहाना खान और अगस्त्य नंदा का एक वीडियो सामने आया है. दोनों को एक साथ डांस फ्लोर पर मस्ती करते देखा गया.

2 फ्लॉप के बाद अजय-रोहित की वापसी

हर साल अक्षय कुमार और अजय देवगन के बीच कॉम्पिटिशन रहता है कि कौन ज्यादा आगे है? एक साल में ज्यादा फिल्में कौन रिलीज कर सकता है. फिलहाल तो अक्षय ही आगे हैं, पर अजय देवगन की भी तीन फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. जहां 'आजाद' और 'सन ऑफ सरदार 2' फ्लॉप रही, तो वहीं दूसरी ओर 'रेड 2' हिट लिस्ट में जगह बना पाई.

जल्द ही उनकी एक और फिल्म आने वाली है, जो है-'दे दे प्यार दे 2' . फिल्म का बीते दिनों ट्रेलर भी आया था, जिसे काफी पसंद किया गया. अब इस साल 2 फ्लॉप देने के बाद रोहित शेट्टी के पास वापस लौट गए हैं. उनकी एक धांसू पिक्चर पर बड़ा अपडेट आ गया है.अजय देवगन की पिछली फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल थी, जो पिट गई. अब आने वाली फिल्म भी एक सीक्वल है, जिसके पहले पार्ट को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. लेकिन असली प्लान तो 5 महीने बाद का तैयार किया गया है. जिसका अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने पिछली फिल्म में ही हिंट दे दिया था. अब जानिए नई फिल्म पर क्या अपडेट आया है?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि गोलमाल गैंग एक बार फिर लौट रही है. जल्द ही अजय देवगन गोलमाल फ्रेंचाइजी के पांचवें इंस्टॉलमेंट यानी गोलमाल 5 का काम करेंगे. वो मार्च 2026 में फिल्म का काम शुरू कर देंगे. दरअसल रोहित शेट्टी के साथ आखिर बार 'सिंघम अगेन' में नजर आए थे. पर फिल्म कुछ खास कमाई नहीं कर पाई. इस बार रोहित शेट्टी बड़े लेवल पर चीजों को तैयार कर रहे हैं. क्योंकि इस फिल्म के पांचवें इंस्टॉलमेंट से हर किसी को काफी उम्मीदें हैं. इस बार भी फिल्म में ओरिजनल गैंग ही दिखने वाली है. जिसमें तुषार कपूर, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, कुणाल खेमू शामिल हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की 60 करोड़ रुपए के कथित धोखाधड़ी मामले में मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मामले में एक्ट्रेस को एक और बड़ा झटका दिया. कोर्ट ने शिल्पा शेट्टी को विदेश यात्रा के लिए राहत देने से साफ इनकार कर दिया है. कोर्ट की तरफ से कहा गया है कि, अगर आपको विदेश जाना है तो पहले अप्रूवर बनिए. आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है.

शिल्पा को कोर्ट से नहीं मिली राहत

दरअसल, एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लुक आउट नोटिस जारी किया हुआ है. इसी एलओसी को रद्द करने की मांग करते हुए शिल्पा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, क्योंकि उन्हें एक यूट्यूब इवेंट के लिए विदेश जाना था. लेकिन कोर्ट ने एक्ट्रेस की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि, अगर वह विदेश जाना चाहती हैं, तो उन्हें पहले 'अप्रूवर' बनना होगा.गौरतलब है कि, इसके पहले हुई सुनवाई में कहा गया था कि पहले वह 60 करोड़ रुपए दें, तभी सुनवाई होगी, लेकिन एक्ट्रेस ने इस भुगतान से साफ इनकार कर दिया था. इतना ही नहीं शिल्पा शेट्टी ने हाईकोर्ट में दावा किया कि उनके पति राज कुंद्रा की कंपनी से उनका कोई लेना-देना नहीं है. वह अपने आप को इस पूरे मामले से अलग बता रही हैं. इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए शिल्पा को 16 अक्टूबर तक लिखित में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है.

महाभारत के कर्ण पंकज धीर का हुआ निधन

मनोरंजन जगत से आज सुबह एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. बीआर चोपड़ा की 'महा-भारत' में कर्ण का यादगार किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुए दिग्गज अभिनेता पंकज धीर का निधन हो गया है. 14 अक्टूबर की देर रात उन्होंने आखिरी सांस ली. उनके अचानक चले जाने से पूरी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है.महाभारत में कर्ण बनकर सबके दिलों में बस गए पंकज धीर अब हमारे बीच नहीं रहे. 68 साल में उन्होंने अंतिम सांस ली है. पिछले कई दिनों से पंकज धीर अस्पताल में एडमिट थे. लम्बे समय से वो कैंसर से अपनी लड़ाई लड़ रहे थे. लेकिन आखिरकार ये जंग हार गए और बीती रात उन्होंने आखिरी सांस ली. पंकज धीर को उनकी

शानदार अभिनय क्षमता और दमदार आवाज के लिए जाना जाता था, लेकिन 1988 के ऐतिहासिक धारावाहिक 'महाभारत' में निभाए गए कर्ण के चरित्र ने उन्हें अमर बना दिया. उनके इस किरदार को इतनी लोकप्रियता मिली कि देश के कई हिस्सों में उनकी मूर्तियों की पूजा भी की जाती थी. उन्होंने 'सड़क', 'सोल्जर' और 'बादशाह' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया और टीवी पर भी लगातार सक्रिय रहे. उनके बेटे, निकितिन धीर भी एक जाने-माने अभिनेता हैं.अभिनेता पंकज धीर के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार आज (15 अक्टूबर) मुंबई के विले पार्ले स्थित पवनहंस श्मशान घाट पर कुछ ही देर में किया जाएगा. उनके परिवार और करीबी दोस्तों के साथ-साथ सिनेमा जगत के कई बड़े सितारे उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान घाट पहुंच रहे हैं.

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 33.4°C न्यूनतम 23.6°C

नागपुर, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

मुख्य न्यायाधीश गवई का अब धार्मिक परंपराओं पर कथन !

त्योहारों के आनंद से ज़्यादा महत्वपूर्ण है उसकी परंपरा

राष्ट्रबाण

नागपुर. कुछ दिन पहले खजुराहो में विष्णु प्रतिमा को लेकर चल रही सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई के बयान ने पूरे देश में विवाद खड़ा कर दिया था. सोशल मीडिया पर मुख्य न्यायाधीश गवई की खूब आलोचना हुई थी. एक वकील ने अदालत में मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश की थी. इस घटना के कुछ दिन बाद, मुख्य न्यायाधीश गवई की पीठ ने धार्मिक परंपराओं पर टिप्पणी की थी. मुख्य न्यायाधीश गवई ने यह बयान उस समय दिया जब दिल्ली और आसपास के इलाकों में पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध को लेकर सुनवाई चल रही थी. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दिवाली के लिए हरित पटाखों के सीमित उपयोग की अनुमति देते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि पटाखों के उत्पादन और उपयोग से जुड़े मुद्दों पर विचार करते समय, सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा व्यावसायिक हितों और त्योहारों के आनंद से ज़्यादा महत्वपूर्ण है. सुप्रीम कोर्ट ने माना कि पटाखे फोड़ना भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं में गहराई से निहित है और इसे त्योहारों, उत्सवों और शुभ अवसरों पर खुशी व्यक्त करने का एक माध्यम माना जाता है. हालाँकि, अदालत ने चेतावनी दी कि ऐसी परंपराएँ उन प्रथाओं को सही नहीं ठहरा सकतीं जो जन स्वास्थ्य या पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती हैं. मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा, जब मुद्दा पर्यावरण और स्वास्थ्य का हो, तो व्यावसायिक हित और त्योहारों का उत्साह गौण होना चाहिए.

एनसीआर में पटाखों पर सामान्य प्रतिबंध हटाते हुए, अदालत ने 18 से 20 अक्टूबर, 2025 तक हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति दे दी है. इनका इस्तेमाल 19 और 20 अक्टूबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे के बीच किया जा सकेगा. पटाखे फोड़ना उत्सव की खुशी का प्रतीक है और धार्मिक व अन्य शुभ अवसरों पर माहौल में उत्साह पैदा करता है, जो भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का एक अभिन्न अंग है. हालांकि, सिर्फ़ परंपरा और धार्मिक-सांस्कृतिक कारणों से पटाखों के अनियंत्रित इस्तेमाल से स्वास्थ्य को अस्थायी या दीर्घकालिक नुकसान पहुँचाना सही नहीं है, अदालत ने स्पष्ट किया. अदालत ने यह भी कहा कि उसे पटाखा उद्योग में काम करने वालों के अधिकारों और जनता, खासकर बुज़ुर्गों, बीमारों और बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के अधिकार के बीच संतुलन बनाना होगा. अदालत ने त्योहार को संयमित और ज़िम्मेदारी से मनाने की अपील करते हुए कहा, यह समस्या पटाखों के अत्यधिक इस्तेमाल और उनके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण उत्पन्न होती है.

तहसील के 19 गाँव ड्राफ्ट मतदाता सूची से गायब!

पूर्व स्पीकर का आरोप

राष्ट्रबाण

अमरावती. जिले के अंजनगांव सुरजी तहसील के लगभग 19 गांवों के नाम मतदाता सूची से गायब होने का एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है. यह देखा गया है कि ये गांव चुनाव विभाग द्वारा प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं. पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शशिकांत मंगले ने इस संबंध में गंभीर आरोप लगाए हैं. उनके अनुसार, स्थानीय स्वशासन निकाय चुनावों के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण मतदाता सूची में इन गांवों का नाम न होना कई सवाल खड़े करता है. यह उन उम्मीदवारों और इन गांवों के मतदाताओं के लिए एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है जो चुनाव लड़ना चाहते हैं. ऐसी आशंका है कि इन गांवों के मतदाता चुनाव से वंचित हो जाएंगे. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शशिकांत मंगले ने इस संबंध में जिला कलेक्टर के पास एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने मांग की है कि जिला कलेक्टर तुरंत जांच कर मतदाता सूची में इस त्रुटि को सुधारें और गायब गांवों को फिर से शामिल करें. इस घटना ने स्थानीय राजनीतिक हलकों के साथ-साथ आम जनता के बीच भी चर्चा छेड़ दी है. शशिकांत मांगले ने कहा, मतदाता सूचियों का निरीक्षण करते समय, यह मेरे ध्यान में आया कि कुछ गाँव मतदाता सूची से गायब हैं. पंढरी खानमपुर पंचायत समिति में, टाकरखेड़ा मोरे और धनेगांव गांव मतदाता सूची में नहीं हैं. कपुस्तलानी में, ऐसा लगता है कि रौंदलपुर, पोही, रत्नापुर, जाला, औरंगपुर, सौदापुर के गांव मतदाता सूची से गायब हो गए हैं. चौसाला, भंडाराज में भी यही बात पाई गई है. कुछ गांवों को दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में शामिल किया गया है. भले ही कुछ गाँव निर्जन हों, लेकिन उनका रिकॉर्ड चुनाव आयोग की मसौदा मतदाता सूची में दर्ज है. चुनाव आयोग ने इन गांवों का उल्लेख नहीं किया है, शशिकांत मांगले ने कहा. शशिकांत मांगले ने कहा, यह पूरा मामला दिखाता है कि चुनाव आयोग की मशीनरी चुनावों को लेकर कितनी उदासीन है. चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा में हैं. लेकिन, सभी को ध्यान देने की जरूरत है कि हमारी मतदाता सूची कैसी है. सबकी नजर इस बात पर है कि प्रशासन इस मामले पर क्या कार्रवाई करता है.

फास्ट ट्रैक

पुराने विवाद में चाकू मारकर हत्या

यवतमाल. पुराने विवाद को लेकर एक युवक पर चाकू से हमला किया गया. यह गंभीर घटना मंगलवार रात नागपुर रोड स्थित हिंदू श्मशान घाट के पास हुई. इस घटना से हड़कंप मच गया. यवतमाल के कुंभरपुरा निवासी सज्जाद अली अकबर अली (25) इस जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति का नाम है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, सज्जाद का इलाके के ही एक युवक से पुराना विवाद है. मंगलवार को दोनों के बीच फिर से विवाद हो गया. विवाद बढ़ने पर संबंधित व्यक्ति ने सज्जाद का पीछा किया और उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया. इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया. इस बीच, उसे इलाज के लिए यवतमाल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत फिलहाल गंभीर बताई जा रही है. शहर पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है.

खाद्य तेल फैक्ट्री पर की छापा

चंद्रपुर. त्योहारों के मौसम में, अधिक लाभ कमाने के लिए खाद्य पदार्थों में मिलावट की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा हो रहा है. खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने विशेष रूप से खाद्य तेल में मिलावट की शिकायतों को गंभीरता से लिया है. इसी पृष्ठभूमि में, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कल मुल स्थित सारदा खाद्य तेल शोधन (रिफाइनरी) कारखाने पर छापा मारा.

सरकारी गाड़ी को रोककर तीनों संदिग्धों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया

अमरावती में नकली नोटों के खेल का पर्दाफाश

राष्ट्रबाण

अमरावती. नांदगांव पेठ पुलिस को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर, रहटगांव इलाके में नकली नोटों का धंधा करने वाले 3 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. इस कार्रवाई में पुलिस ने 26,500 रुपये के नकली नोट जब्त किए हैं, और पता चला है कि इस मामले का एक अन्य आरोपी फरार है. इस घटना से शहर में हड़कंप मच गया है. पुलिस निरीक्षक दिनेश दहातोंडे को सूचना मिली थी कि रहटगांव क्षेत्र में कुछ युवक अपने दैनिक लेन-देन में नकली नोटों का इस्तेमाल कर रहे हैं. इस सूचना की पुष्टि होते ही वे तुरंत नांदगांव पेठ पुलिस थाने के सरकारी वाहन में उपलब्ध पंचों के साथ पुलिस दल के साथ मौके पर पहुँचे. गुप्त मुखबिरों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस ने रहटगांव के वृंदावन कॉलोनी इलाके में सड़क के किनारे बैठे कुछ संदिग्धों के लिए जाल बिछाया. पुलिस ने कुछ दूरी पर सरकारी वाहन को रोका और तीन संदिग्धों को मौके पर ही पकड़ लिया. पुलिस ने भागने की कोशिश कर रहे आरोपियों को हिरासत में लिया. उन्होंने बताया कि उनके नाम संचित अरविंद चव्हाण (उम्र 19, निवासी रहटगांव प्लॉट), दीपक बाबूलाल खंडारे (उम्र 32, निवासी पंचशील नगर, रहटगांव) और संघरत्न राजेंद्र मोटघरे (उम्र 36, निवासी जूनी वस्ती, मस्जिद के पास, रहटगांव) हैं. मजिस्ट्रेट के सामने ली गई तलाशी के दौरान, संचित चव्हाण के पास से 500 रुपये के 26 नकली नोट (13,000 रुपये), दीपक खंडारे के पास से 15 नोट (7,500 रुपये) और संघरत्न मोटघरे के पास से 12 नोट (6,000 रुपये) मिले, जिनकी कुल कीमत 26,500 रुपये थी. इन सभी नोटों की बारीकी से जाँच करने पर पता चला कि उन पर रिज़र्व बैंक का कोई चिन्ह या वॉटरमार्क नहीं था.

मुख्य मास्टरमाइंड फरार

इन नोटों को सीलबंद करके मजिस्ट्रेट के सामने ज़ब्त कर लिया गया. पूछताछ में संचित चव्हाण ने स्वीकार किया कि ये नकली नोट आदित्य किशोर रमेकर (उम्र 25, निवासी समर्थवाड़ी, राहतगाँव) ने बाज़ार में खपाने के लिए दिए थे. घटना के बाद से आदित्य रमेकर फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है. पुलिस कांस्टेबल नीलेश जनराव साविकर की शिकायत के अनुसार, इस मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 179 (नकली नोटों का लेन-देन) और 180 (नकली नोट तैयार करना या रखना) के तहत मामला दर्ज किया गया है.

मतदाता सूची में अनियमितताओं का मुद्दा एजेंडे में

नागपुर नगर निगम चुनाव के लिए मतदाता सूची का मसौदा 6 नवंबर को जारी होगा

राष्ट्रबाण

नागपुर. मतदाता सूची में छेड़छाड़, फर्जी मतदाता पंजीकरण और कई पात्र नागरिकों के नाम सूची से बाहर होने के मुद्दों पर विपक्ष ने आक्रामक रुख अपनाया है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद, महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी ने भी इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया है. इस संबंध में राज्य चुनाव आयोग को शिकायतें दी गई हैं, और इस बात की आलोचना हो रही है कि आयोग ने अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है. इस पृष्ठभूमि में, नागपुर नगर निगम के आम चुनावों के लिए मतदाता सूची का मसौदा 6 नवंबर, 2025 को जारी किया जाएगा. यह सूची 1 जुलाई, 2025 की मौजूदा विधानसभा मतदाता सूची के आधार पर तैयार की जा रही है. इस पर आपत्तियाँ और सुझाव दर्ज करने के लिए 14 नवंबर तक की समय सीमा दी गई है. विपक्ष ने मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की माँग की है और नागरिकों से भी सूची में अपने नामों की सावधानीपूर्वक जाँच करने का आग्रह किया है. राज्य के प्रमुख नगर निगम चुनावों में से एक, नागपुर नगर निगम के आम चुनाव की आवश्यक तैयारियाँ तेज़ हो गई हैं. राज्य चुनाव आयोग ने हाल ही में नागपुर नगर निगम की मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम घोषित किया है. इसके अनुसार, वार्डवार मतदाता सूची का प्रारूप 6 नवंबर, 2025 को प्रकाशित किया जाएगा. नगर निगम चुनावों के लिए वार्ड संरचना को अंतिम रूप दिया जा चुका है. अब, 1 जुलाई, 2025 तक की मौजूदा विधानसभा मतदाता सूची के आधार पर वार्डवार प्रारूप मतदाता सूची तैयार की जा रही है. इस सूची के प्रकाशन के बाद, नागरिकों को आपत्तियाँ और सुझाव दर्ज कराने की अंतिम तिथि 14 नवंबर, 2025 तक दी जाएगी. इसके बाद, प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद 28 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी. पिछले कुछ चुनावों में मतदाता सूची में गड़बड़ी के मामले सामने आए थे. कुछ जगहों पर मतदाताओं की संख्या अचानक बढ़ गई थी, जबकि कुछ जगहों पर नाम गायब थे.

गोंदिया जिले की डव्वा ग्राम पंचायत में

अविश्वास प्रस्ताव पर बवाल

पुलिस का लाठीचार्ज

राष्ट्रबाण

गोंदिया. 'माझी वसुंधरा' अभियान में देश भर में पहला स्थान हासिल कर महाराष्ट्र का नाम रोशन करने वाली गोंदिया जिले की दूसरी ग्राम पंचायत अब राजनीतिक विवादों में घिर गई है. ग्राम पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर हंगामा हुआ और हालात बेकाबू होते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा. गोंदिया ज़िले की डव्वा ग्राम पंचायत वो गाँव जिसने पर्यावरण संरक्षण और विकास कार्यों से देशभर में पहचान बनाई. लेकिन अब यही गाँव राजनीतिक हलचल का केंद्र बन गया है. दरअसल, ग्राम पंचायत की महिला सरपंच योगेश्वरी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था. पंचायत में कुल 12 सदस्य हैं, जिनमें से 8 सदस्य प्रस्ताव के पक्ष में थे. लेकिन प्रस्ताव पारित करने के लिए 9 सदस्यों का बहुमत ज़रूरी था. यही वजह रही कि तहसीलदार ने अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया. जैसे ही प्रस्ताव फेटा गया, सभा कक्ष के अंदर और बाहर दोनों जगह माहौल गरमाने लगा. नाराज़ ग्रामवासियों ने विरोध जताया और देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई. तनाव बढ़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस पहले से तैनात थी, लेकिन भीड़ के आक्रोश को संभालना मुश्किल हो गया.

24 घंटे में देश से विदा हो जाएगा 'मानसून' !

राष्ट्रबाण

हालांकि, महाराष्ट्र में बारिश के आसार हैं

नागपुर. मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले 24 घंटों में पूरे देश से मानसून विदा हो जाएगा. मानसून वापसी की सीमा कारवार, कलबुर्गी, निज़ामाबाद, कांकेर, चांदबाली के बीच है. हालाँकि, भारत के कई राज्यों में बारिश जारी है. अब यह अनुमान लगाया गया है कि भारतीयों की दिवाली भी बरसाती होगी. इस साल महाराष्ट्र में मानसून का मौसम 141 दिनों तक चला है. लगभग पूरे राज्य से मानसून विदा हो चुका है. राज्य में जहाँ सूरज की तपिश बढ़ रही है, वहीं शाम के समय शीतलहर भी चल रही है और अब मौसम बारिश के अनुकूल है. मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बिजली कड़कने के साथ बारिश की संभावना जताई है. कोंकण के रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और मध्य महाराष्ट्र के अहिल्यानगर, पुणे, कोल्हापुर, सतारा, सांगली, छत्रपति संभाजीनगर, जालना , परभणी, बीड, हिंगोली, नांदेड़, लातूर, धाराशिव जिलों में कुछ स्थानों पर बिजली कड़कने के साथ बारिश होने की संभावना है. ठाणे, रायगढ़, जलगाँव, नासिक जिलों में भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश का अनुमान है. हालाँकि, राज्य के बाकी हिस्सों में शुष्क मौसम जारी रहने और भीषण गर्मी जारी रहने की संभावना है. गुरुवार को कोंकण के सिंधुदुर्ग, रायगढ़, मध्य महाराष्ट्र के धुले, जलगांव, नासिक, अहिल्यानगर, पुणे, सतारा, मराठवाड़ा के छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, लातूर, धाराशिव जिलों में कुछ स्थानों पर बिजली गिरने के साथ बारिश की संभावना है. नांदेड़, हिंगोली, परभणी, सोलापुर, सांगली, कोल्हापुर, नंदुरबार, सिंधुदुर्ग, मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भी बारिश की उम्मीद है. बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बना चक्रवाती परिसंचरण कोमोरिन क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है, जिससे रविवार तक लक्षद्वीप, केरल और दक्षिण कर्नाटक के तटों पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के संकेत मिल रहे हैं.

शुक्रवार को पालघर और नासिक जिलों में बिजली गिरने के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है. जबकि ठाणे, मुंबई, रायगढ़, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, धुले, नंदुरबार, जलगांव, अहिल्यानगर, पुणे, कोल्हापुर, सतारा, सांगली, सोलापुर, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परभणी, बीड, हिंगोली, नांदेड़, लातूर, धाराशिव जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है.

सफलता केवल गोंदिया के लिए ! रोकडे ज्वैलर्स प्रस्तुत कर रहा है

प्रतिष्ठित 'ये दिवाली रोकडेवाली' प्री-लॉन्च ऑफर्स

राष्ट्रबाण

गोंदिया. त्योहार का समय गोंदिया के लिए एक खास अवसर लेकर आ रहा है, क्योंकि विदर्भ के सबसे भरोसेमंद आभूषण ब्रांड, रोकडे ज्वैलर्स, गोंदिया के निवासियों के लिए अद्वितीय प्री-लॉन्च दिवाली ऑफर्स पेश कर रहा है. ये आकर्षक ऑफर्स 16 अक्टूबर से सुबह 11 बजे से गोंदिया के जयस्तंभ चौक (जी.एस.टी. भवन के सामने) के शोरूम में जारी होंगे और ग्राहकों को दीवाली के इस मौसम में विशेष आभूषणों पर बचत करने का खास अवसर प्रदान करेंगे.
ये खास ऑफर्स रोकडे ज्वैलर्स की गोंदिया के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं और केवल गोंदिया के नए शोरूम में उपलब्ध हैं. ये ऑफर्स दिवाली के आसपास 9 नवंबर तक सीमित अवधि के लिए वैध हैं.

सर्वोत्तम दिवाली ऑफर्स - केवल गोंदिया में

- गोंदिया में पहली बार, रोकडे ज्वैलर्स 'ये दिवाली रोकडेवाली' प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें सोने, हीरे और चांदी के कलेक्शन पर आकर्षक ऑफर्स उपलब्ध हैं.
- गोंदिया के प्रत्येक परिवार को इस प्रकाश के त्योहार को नई चमक और आनंद के साथ मनाने का अवसर देने के लिए ये ऑफर्स तैयार किए गए हैं.
- सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस पर कम से कम 30% से अधिकतम 50% तक निश्चित छूट
- हीरे के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस पर कम से कम 50% से अधिकतम 100% तक निश्चित छूट
- चांदी के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस और FRP उत्पादों पर 25% निश्चित छूट
- ये विशेष ऑफर्स केवल गोंदिया के नए शोरूम में उपलब्ध हैं और दिवाली के आसपास 9 नवंबर तक वैध हैं.

त्योहार और शादी के मौसम के लिए खास – दिवाली के साथ ही त्योहारों का समय और शादी का मौसम नजदीक आ रहा है. इसलिए ग्राहक ऐसे आभूषण खोजते हैं जो पारंपरिक, उत्कृष्ट कलाकारी और आधुनिक शैली का संगम हों. रोकडे ज्वैलर्स हमेशा की तरह इस अवसर पर तैयार हैं — उन्होंने विदर्भ में गुणवत्ता और विविधता के लिए प्रसिद्ध नए और सिग्नेचर डिज़ाइन्स पेश किए हैं.

गोंदिया के लिए दिवाली होगी और भी चमकदार

जब गोंदिया शहर दिवाली मनाने के लिए तैयार हो रहा है, रोकडे ज्वैलर्स अपने आभूषणों के जगत में प्राप्त प्रतिष्ठा और पहचान लेकर गोंदिया में प्रवेश करने के लिए तैयार है. 'ये दिवाली रोकडेवाली' केवल एक ऑफर नहीं है, बल्कि गोंदिया के लोगों के साथ रिश्तों को और मजबूत करने का उत्सव है - जिससे उनका दिवाली का हर क्षण और भी चमकदार और यादगार बनेगा.

विदर्भ के क्र. 1 आभूषण ब्रांड की प्रतिबद्धता

- विदर्भ के आभूषणों के जगत के केंद्र में कार्यरत, रोकडे ज्वैलर्स विश्वासपात्र गुणवत्ता और अद्वितीय शुद्धता का प्रतीक है.
- सोने की नेकलेस से लेकर आकर्षक हीरे के सेट तक, हर आभूषण रोकडे ज्वैलर्स की प्रामाणिकता की अटूट पहचान है.
- गोंदिया के लिए, रोकडे ज्वैलर्स केवल उत्कृष्ट आभूषण ही नहीं लाया है, बल्कि कीमतों में पारदर्शिता, शुद्धता प्रमाणपत्र और ग्राहकों को प्राथमिकता देने वाली सेवा भी लेकर आया है.

गोंदिया शोरूम में पारिवारिक उत्सव, शादी और धार्मिक विधियों के लिए उपयुक्त आभूषण उपलब्ध हैं, जो प्रत्येक व्यक्ति की अनोखी विरासत और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करते हैं. रोकडे ज्वैलर्स गोंदिया और आसपास के सभी नागरिकों को 16 अक्टूबर से सुबह 11 बजे शुरू होने वाले नए शोरूम में आने और सीमित अवधि की दिवाली ऑफर्स का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करता है.

पूर्व सैनिकों सहित शिक्षित बेरोजगारों के लिए नौकरी का बड़ा अवसर

राष्ट्रबाण

अकोला. पूर्व सैनिकों सहित शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए नौकरी का एक बड़ा अवसर उपलब्ध हुआ है. सरकारी और निजी क्षेत्रों में सैकड़ों पदों पर भर्ती की जाएगी. 10वीं से स्नातक तक के उम्मीदवारों का सैकड़ों पदों के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा और चयनित उम्मीदवारों को आकर्षक वेतन मिलेगा. अकोला जिले में नौकरी चाहने वालों को निजी क्षेत्र में नौकरी के अवसर प्रदान करने के लिए, जिला कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र द्वारा 15 अक्टूबर को सुबह 11 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है. इस मेले में तीन प्रतिष्ठित निजी कंपनियों के माध्यम से कुल 100 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी. 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा और स्नातक की शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों के लिए अवसर उपलब्ध हैं. इस मेले के लिए महास्वयं वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा और साक्षात्कार के लिए रोजगार मेले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा. सहायक आयुक्त प्रफुल्ल शेलके ने अधिक से अधिक नौकरी चाहने वाले उम्मीदवारों से अपील की है कि वे जिला कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र, जिला कलेक्ट्रेट परिसर, प्रशासनिक भवन, द्वितीय तल, अकोला में अपने खर्चे पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएँ.

भूतपूर्व सैनिकों के लिए नौकरी का अवसर

सैनिक कल्याण विभाग, महाराष्ट्र राज्य, पुणे और इसके अंतर्गत आने वाले जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में क्लर्क टाइपिस्ट (ग्रुप-सी) के कुल 72 पदों पर भर्ती के लिए केवल भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. इनमें से एक पद दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और योग्यता एवं उपलब्धता के आधार पर कम से कम 40 प्रतिशत विकलांगता वाले उम्मीदवारों की भर्ती की जाएगी. यह भर्ती प्रक्रिया टीसीएस-आईओएन के माध्यम से आयोजित की जाएगी और आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएँगे. किसी अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएँगे.

तापमान. नागपुर, अधिकतम 33.4°C न्यूनतम 23.6°C

राष्ट्रबाण नागपुर VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

नागपुर, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

महावितरण कार्यालय में ही भुगतान की होली

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर बड़ी खबर!

राष्ट्रबाण

नागपुर. बिजली की बढ़ती कीमतों और स्मार्ट प्रीपेड मीटर के खिलाफ नागरिकों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है. मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री देवेंद्र फडणवीस के गृह नगर नागपुर में महावितरण कार्यालय में सीधे भुगतान की होली खेली गई. आइए जानते हैं इस घटना के बारे में. महावितरण कार्यालय परिसर में बिजली बिल बढ़ाने के आरोप में पुलिस ने विदर्भ राज्य आंदोलन समिति के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया. महावितरण ने 1 अक्टूबर 2025 से बिजली बिल 35 पैसे बढ़ाकर 95 पैसे प्रति यूनिट कर दिया है. महावितरण कंपनी ने दिवाली जैसे खुशी के त्योहार पर जनता की बिजली काटकर महापाप किया है. ऊपर से टीओडी मीटर के नाम पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाकर जनता को लूटने की साजिश रची जा रही है. इस मीटर और बिजली दर वृद्धि के खिलाफ, वीरास नागपुर शहर अध्यक्ष नरेश निमजे के नेतृत्व में महाल क्षेत्र के शिवाजी नगर गेट से तुलसीबाग महावितरण कार्यालय तक बिजली मार्च निकाला गया, जिसमें बिजली दर वृद्धि को रद्द करने और स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर की मांग की गई. प्रदर्शनकारियों को देखकर, तुलसीबाग स्थित महावितरण कार्यालय का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया. इस समय, वीरास कार्यकर्ताओं ने आक्रामक नारे लगाते हुए गेट को आगे बढ़ाया और अधिकारी से मिलने के लिए आगे बढ़े. चूँकि अधिकारी यहाँ अनुपस्थित थे, इसलिए कार्यकर्ता आक्रामक हो गए और अधिकारी को बुलाने के लिए हंगामा किया. इसके बाद, उन्होंने क्षेत्र में प्रवेश किया और सामूहिक बिजली बिल होली मनाई.

प्रदर्शनकारी क्या कहते हैं?

विदर्भ में बिजली पैदा होती है, उसे गोवा भेजा जाता है, उसके लिए विदर्भ के लोगों की जमीन, पानी, कोयला और अन्य संसाधनों का उपयोग किया जाता है, और विदर्भ के लोगों को महंगी बिजली का बोझ मिले, यह कैसा न्याय है? और विरास के विरोध के बावजूद स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाना अन्याय है. जब विधानसभा चुनाव से पहले विरास कार्यकर्ताओं ने बावनकुले पर जूते फेंके थे, तब उन्होंने विरोध स्थल पर आकर प्रीपेड मीटर रद्द करने की घोषणा की थी. और इसे लागू करते हुए, महावितरण कंपनी ने प्रीपेड मीटर लगाना बंद कर दिया था, लेकिन जैसे ही विधानसभा चुनाव में बहुमत से चुनी गई, उद्योगपति के इशारे पर फिर से चुपके से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं. क्या हमें फिर से ऊर्जा मंत्री पर जूते फेंकने होंगे? प्रदर्शनकारियों ने कहा.

15 दिनों के भीतर पूरी की जाए रेत की नीलामी

बावनकुले ने दी कार्रवाई की चेतावनी

राष्ट्रबाण

नागपुर. राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सभी संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को महाराष्ट्र भर में रेत घाटों की नीलामी 15 दिनों के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया है. साथ ही उन्होंने किसी भी देरी के लिए ज़िम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है. यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब राज्य में बाढ़ से बचाव के प्रयासों के चलते रेत की माँग में उल्लेखनीय वृद्धि की आशंका है. बावनकुले ने मंत्रालय में रेत नीति और संचालन पर आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान ये निर्देश जारी किए. इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खड़गे, पर्यावरण विभाग की प्रमुख सचिव जयश्री भोज और सभी संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए भाग लिया. सुचारू आपूर्ति की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, बावनकुले ने कहा कि राज्य में कहीं भी रेत की कमी नहीं होनी चाहिए. उन्होंने निर्देश दिया कि नागरिकों के लिए रेत की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नीलामी प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाए.

निकाय चुनाव की तैयारी, प्रकाशन की तिथि तय

वार्डवार मतदाता सूची का प्रारूप 6 नवंबर को

राष्ट्रबाण

प्राप्त आपत्तियों पर प्रारूप मतदाता सूची में सीमित सीमा तक संशोधन किया जाएगा. इसमें कुछ लिपिकीय त्रुटियाँ, किसी अन्य वार्ड के मतदाता का गलती से शामिल हो जाना, विधानसभा मतदाता सूची में नाम होने के बावजूद नगर निगम के संबंधित वार्ड की मतदाता सूची से नाम छूट जाना, या मृत व्यक्तियों के नाम पाए जाने या उनके संबंध में आपत्तियाँ या सुझाव प्राप्त होने पर आयुक्त द्वारा अधिकृत अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची में ऐसे परिवर्तन किए जा सकेंगे. मतदान केंद्र स्थानों की सूची 4 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी. इसके बाद, मतदान केंद्रवार मतदाता सूची 10 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी.

नागपुर. राज्य चुनाव आयोग ने नागपुर महानगरपालिका के आगामी आम चुनावों के लिए मतदाता सूची कार्यक्रम 2025 की घोषणा कर दी है. राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, अधिसूचित तिथि, 1 जुलाई को विधानसभा की विद्यमान मतदाता सूची के आधार पर महानगरपालिका के आम चुनावों के लिए तैयार प्रारूप मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी और इस पर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे. इस पर आपत्तियां एवं सुझाव प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर होगी. राज्य चुनाव आयोग ने आयुक्तों को प्रारूप मतदाता सूची पर दर्ज आपत्तियों एवं सुझावों पर निर्णय लेने तथा वार्डवार अंतिम मतदाता सूचियों को प्रमाणित कर 28 नवंबर को प्रकाशित करने का निर्देश दिया है. राज्य चुनाव आयोग के सचिव सुरेश काकानी ने आदेश में कहा, "राज्य चुनाव आयोग ने राज्य के 29 नगर निगमों के आम चुनाव के लिए मतदाता सूची कार्यक्रम 2025 की घोषणा की है. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार, चुनाव तुरंत कराने की आवश्यकता है.

फास्ट ट्रैक

इलेक्ट्रिक दुकान में हुई चोरी

नागपुर. कोतवाली परिसर के गांधी गेट के पास स्थित एक इलेक्ट्रिक दुकान में सेंध लगाकर अज्ञात चोरों ने 11 लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली. चोरों ने दुकान की छत के रास्ते अंदर घुसकर नकदी के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी ले गए, ताकि उनकी पहचान न हो सके. चोरी की इस घटना ने इलाके के व्यापारियों में दहशत फैला दी है. महल इलाके के गांधी गेट के पास माधव इलेक्ट्रिक नामक दुकान के मालिक मनोज कुमार बिसेन दास खत्री ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10:30 बजे उन्होंने दुकान बंद कर घर चले गए थे. बुधवार सुबह जब वे दुकान खोलने पहुंचे, तो देखा कि दुकान के तिजोरी में रखी नकदी से भरी बैग गायब थी. उन्होंने तुरंत कोतवाली पुलिस को इसकी शिकायत दर्ज कराई.

जिप और पंस की चुनावी प्रक्रिया शुरू

नागपुर. जिला परिषद् और पंचायत समिति चुनावों के लिए आरक्षण की घोषणा के तुरंत बाद, कांग्रेस पार्टी ने अपनी चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दी है. जिला कांग्रेस अध्यक्ष अश्विन बैस ने बताया कि पार्टी ने आज से टिकट के इच्छुक कार्यकर्ताओं के लिए उम्मीदवारी फॉर्म उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है. सोमवार को जिला प्रशासन ने जिला परिषद् और पंचायत समिति के आरक्षण जारी किया है. इसके बाद कभी भी चुनाव की घोषणा हो सकती है. इसी के तहत कांग्रेस पार्टी ने अहम् कदम उठाते हुए उम्मीदवारों का चयन शुरू कर दिया है.

सेगमेंट में पहली बार ओआईएस कैमरा और बेहतर ड्यूरैबिलिटी का आनंद उठाएं

सैमसंग गैलक्सी M17 5G की भारत में बिक्री शुरू

राष्ट्रबाण

गैलेक्सी M17 5G में गूगल के साथ सर्कल टू सर्च फीचर पेश किया गया है, जो गैलेक्सी इकोसिस्टम में मोबाइल एआई के लोकतंत्रीकरण को और आगे बढ़ाता है. इसके अलावा, इसमें जेमिनी लाइव है, जो एआई-संचालित रीयल-टाइम विजुअल बातचीत के माध्यम से नया एआई अनुभव प्रदान करता है. गैलेक्सी M17 5G वन यूआई 7 के साथ एंड्रॉइड 15 पर चलता है, जो सहज, बेहतरीन और कस्टमाइजेबल यूजर एक्सपीरियंस देता है.

गैलेक्सी M17 5G केवल 7.5 mm पतला है और इसमें प्रीमियम कैमरा डेको की खूबी है. इसका सेगमेंट में अग्रणी कॉर्निंग® गोरिल्ला® ग्लास विक्टस® बेहतर ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है. यह सुरक्षा गलती से मोबाइल गिरने और खरोंचों से बचाव करती है, जिससे यूजर को पूरी शांति मिलती है. डिवाइस में धूल और स्पलैश रेजिस्टेंस के लिए आईपी54 रेटिंग भी है. गैलेक्सी M17 5G आकर्षक रंगों – मूनलाइट सिल्वर और सफायर ब्लैक – में उपलब्ध होगा.

नागपुर. सैमसंग ने आज घोषणा की है कि भारत के उपभोक्ता आज से हाल ही में लॉन्च किए गए गैलेक्सी M17 5G को खरीद सकते हैं. गैलेक्सी M17 5G अमेज़न, Samsung.com और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स के माध्यम से उपलब्ध होगा, जहां 4/128 जीबी वैरिएंट की कीमत 12,499 रुपये से शुरू है. 6/128 जीबी वैरिएंट 13,999 रुपये और 8/128 जीबी वैरिएंट 15,499 रुपये में उपलब्ध होंगे. उपभोक्ता प्रमुख बैंकों/एनबीएफसी पार्टनर्स के माध्यम से आसान ईएमआई ऑफर का लाभ भी उठा सकते हैं, उन्हें 3 महीने तक नो कॉस्ट ईएमआई का फायदा मिलेगा. गैलेक्सी M17 5G, सैमसंग के भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स में से एक गैलेक्सी M16 5G की सफलता पर आधारित है, और सैमसंग की उस विरासत को आगे बढ़ाता है जो आधुनिक एआई इनोवेशन्स को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाती है. यह 10,000 – 15,000 रुपये के सेगमेंट में "नो शेक कैमरा" के साथ आता है, जिसमें 50एमपी ओआईएस ट्रिपल-कैमरा सिस्टम है जो ब्लर-फ्री फोटो और शेक-फ्री वीडियो कैप्चर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. बहुपयोगी ट्रिपल-लेंस सेटअप – जिसमें अल्ट्रा-वाइड कैमरा और मैक्रो कैमरा शामिल है – हर सीन के लिए लचीली फ्रेमिंग प्रदान करता है. गैलेक्सी M17 5G में सेगमेंट-लीडिंग 13 एमपी हाई रेजोल्यूशन फ्रंट कैमरा है जिससे आप बेहतरीन सेल्फी ले सकते हैं. गैलेक्सी M17 5G में सेगमेंट का लीडिंग 6.7" एफएचडी+ सुपर एएमओएलईडी डिस्प्ले है जिसमें 1100 निट्स एचबीएम की पीक ब्राइटनेस है जो बेहतर कलर कॉन्ट्रास्ट प्रदान करती है. इससे यूजर को शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस मिलता है. 6एनएम-बेस्ड एक्सिनॉस 1330 प्रोसेसर से संचालित, गैलेक्सी M17 5G तेज और पावर-एफिशिएंट परफॉर्मेंस देता है, और यह मल्टीटास्किंग के लिए बिल्कुल उपयुक्त है.

तेंदुए के हमले में बच्ची की मौत

3 महीने में दूसरी घटना

राष्ट्रबाण

अकोला. अकोला तहसील के देवथान में मंगलवार शाम एक तेंदुए के हमले में 3 साल की बच्ची की मौत हो गई. मृतक बच्ची की पहचान कविता लहानु गंगाड (उम्र 3) के रूप में हुई है. देवथान में तीन महीने में यह दूसरी ऐसी घटना है. इस घटना से देवथान इलाके में तेंदुओं का भारी आतंक है. गुस्साए ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर दो दिन के अंदर तेंदुए को नहीं पकड़ा गया तो वे वन विभाग के खिलाफ विरोध मार्च निकालेंगे. देवथान-हिवरगांव मार्ग पर देवथान शिवरात में लहानू गंगाड़ का परिवार रहता है. मंगलवार शाम को जब उनकी बेटी कविता घर के बाहर आँगन में अकेली खेल रही थी, तभी शाम साढ़े छह से सात बजे के बीच वहाँ आया एक तेंदुआ बच्ची को उठा ले गया. घटना की जानकारी मिलते ही लोग वहाँ पहुँचे. देर रात बच्ची का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ. इससे पहले, 30 मई को इसी गाँव की काले बस्ती में एक तेंदुए ने हमला कर एक महिला, किसनाबाई रामहरि काले (उम्र 57) को गंभीर रूप से घायल कर दिया था. लगभग 15 दिन बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. उस समय, वन विभाग पिंजरे लगाने के बाद भी तेंदुए को पकड़ने में नाकाम रहा था. हालाँकि यह घटना अभी ताज़ा ही थी, लेकिन कल शाम एक तेंदुए द्वारा 3 साल की बच्ची को मार डालने के बाद, नागरिकों में वन विभाग के प्रति गहरा रोष है. आज सुबह गमगीन माहौल में बच्ची के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया. इस दौरान, वहाँ आए वन विभाग के अधिकारियों को ग्रामीणों ने जमकर घेरा. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर 2 दिन के अंदर आदमखोर तेंदुआ नहीं पकड़ा गया, तो वे वन विभाग के खिलाफ विरोध मार्च निकालेंगे. ग्रामीणों ने वन अधिकारियों से कहा कि अगर वन विभाग ऐसा नहीं कर सकता, तो हमें अनुमति दे दें, हम तेंदुओं का ध्यान रखेंगे.

अभय भुतडा फाउंडेशन ने की बाढ़ पीड़ितों की मदद

मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 करोड़ रुपए का दान दिया

राष्ट्रबाण

नागपुर. एकजुटता और करुणा की प्रभावशाली पहल के रूप में, अभय भुतडा फाउंडेशन ने महाराष्ट्र में बाढ़ से प्रभावित समुदायों की सहायता के लिए 8 करोड़ रुपए देने का वादा किया है. इस राशि में से 5 करोड़ रुपए सीधे महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किए गए हैं, ताकि राज्य में आई भीषण बाढ़ के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके. व्यवसायी, परोपकारी और अभय भुतडा फाउंडेशन के अध्यक्ष, सीए अभय भुतडा ने महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी को मुंबई जाकर व्यक्तिगत रूप से 5 करोड़ रुपए का चेक सौंपा. मुख्यमंत्री ने इस समय पर किए गए योगदान की दिल से सराहना की और इसे सरकार द्वारा संचालित पुनर्वास एवं राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी अहमियत पर जोर दिया.

सैमसंग ने 'एआई फॉर ऑल' विज़न के साथ इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में एआई क्रांति का नेतृत्व किया

राष्ट्रबाण

एआई-पावर्ड तकनीक में अग्रणी, सैमसंग ने उपकरणों के बीच बुद्धिमत्ता को सहजता से जोड़कर भविष्य को आकार देना जारी रखा है. सैमसंग एआई होम स्मार्टफोन और टीवी से लेकर वियरेबल्स और अप्लायंसेस तक - विभिन्न श्रेणियों में बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है. इस इकोसिस्टम के केंद्र में, स्मार्टथिंग्स ऐप सैमसंग उत्पादों को हजारों भागीदार उपकरणों से जोड़ता है, ऐसे घर बनाता है जो न केवल यूजर्स के लिए काम करते हैं बल्कि उनके साथ मिलकर भी काम करते हैं.

नागपुर. भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में अपने 'एआई फॉर ऑल' विज़न के माध्यम से लोगों के जीने, जुड़ने और नवाचार करने के तरीके को फिर से परिभाषित कर रहा है. इनोवेट टु ट्रांसफॉर्म थीम के साथ तालमेल बिठाते हुए, आईएमसी में सैमसंग का प्रदर्शन एआई-पावर्ड लिविंग और स्थायी कनेक्टिविटी के भविष्य को साकार करता है. सैमसंग के बूथ को उपभोक्ताओं और सभी प्रतिष्ठित दिग्गजों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिनमें ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, पेम्मासानी चंद्रशेखर, संचार राज्य मंत्री और श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री शामिल थीं. इसके अलावा, दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल और उत्तर प्रदेश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा ने प्रदर्शित किए गए अत्याधुनिक समाधानों का अनुभव लिया. गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने किया, जिन्होंने सैमसंग के नए एआई-पावर्ड इनोवेशंस का प्रदर्शन किया. जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया ने कहा, इंडिया मोबाइल कांग्रेस नवाचार और जीवन को बदलने की तकनीक की शक्ति का उत्सव है. सैमसंग में, हम इस भावना को गहराई से साझा करते हैं. हमारा 'एआई फॉर ऑल' विज़न हमारे विश्वास को दर्शाता है कि एआई को पूरे भारत में हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय को सशक्त बनाना चाहिए.

कार्यक्रम शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी पर बल

भारतीय मानक ब्यूरो ने किया विश्व दिवस का आयोजन

राष्ट्रबाण

उद्घाटन सत्र की प्रमुख बातें

कार्यक्रम की शुरुआत हेमंत बी. आडे, निदेशक, बीआईएस नागपुर के स्वागत भाषण और कार्यक्रम के उद्देश्यों के साथ हुई. उन्होंने गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में मानकों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला. इसके बाद, रौनक सुखदेवे, संयुक्त निदेशक, बीआईएस नागपुर ने ISO/IEC/ITU का आधिकारिक संदेश प्रस्तुत किया और विषय-आधारित भाषण देते हुए संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने में वैश्विक सहयोग और मानकीकरण के महत्व को रेखांकित किया. निशा कणबर्गी, संयुक्त निदेशक, बीआईएस नागपुर द्वारा सभी उपस्थितों को गुणवत्ता शपथ दिलाई गई, जिससे नागरिकों और संस्थानों में गुणवत्ता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देने के बीआईएस के मिशन को दोहराया गया.

नागपुर. भारतीय मानक ब्यूरो (BIS), नागपुर शाखा कार्यालय द्वारा 14 अक्टूबर को होटल रेडिसन ब्लू, नागपुर में विश्व मानक दिवस 2025 का एक ऊर्जावान और प्रभावशाली आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में उद्योग प्रमुखों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, शोधकर्ताओं, गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) और विद्यार्थियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य इस वर्ष की थीम एक बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण लक्ष्य प्राप्ति हेतु साझेदारी (SDG 17) पर चिंतन और चर्चा करना था. मुख्य अतिथि का संबोधनः इस अवसर का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) प्रेम लाल पटेल. निदेशक, विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (VNIT), नागपुर द्वारा किया गया. उन्होंने अपने मुख्य भाषण में शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया. जिससे नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके.

इसके बाद आयोजित तकनीकी सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किएः गिरीश पोफली. प्रमुख वैज्ञानिक, सीएसआईआर-नीरी, नागपुर, ने पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में मानकों की भूमिका पर विचार साझा किए. राजीव अग्रवाल, अतिथि प्रोफेसर, आईआईएम नागपुर, ने औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मजबूत गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया. प्रो. (डॉ.) यशवंत कटपटल. डीन (अनुसंधान एवं परामर्श), वीएनआईटी नागपुर, ने शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में मानकों के एकीकरण पर चर्चा की. भूषण आवटे, महाप्रबंधक, बिल्ट ग्राफिक पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, चंद्रपुर, ने औद्योगिक अनुपालन और मानकीकरण की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला. बीआईएस नागपुर द्वारा लाइसेंसधारकों, मार्गदर्शकों, प्रयोगशालाओं, संसाधन व्यक्तियों, गैर-सरकारी संगठनों, समाचार पत्रों और सरकारी विभागों को गुणवत्ता मानकों के प्रचार-प्रसार में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया. लोहित मतानी, उप पुलिस आयुक्त (यातायात), नागपुर शहर को सड़क सुरक्षा और जन-जागरूकता के लिए उनके विभाग द्वारा किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया. अपने संबोधन में उन्होंने यातायात सुरक्षा में मानकों की भूमिका पर जोर देते हुए हेलमेट और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को आवश्यक बताया. तपन कुमार हलदार, संयुक्त निदेशक, बीआईएस नागपुर ने तकनीकी सत्र का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया.

मॉयल इंडिया लिमिटेड के मनसर खदान में 54वीं अंतरक्षेत्रीय खान बचाव प्रतियोगिता

राष्ट्रबाण

नागपुर. मॉयल इंडिया लिमिटेड के मनसर खदान में संपन्न 54वीं अंतरक्षेत्रीय खान बचाव प्रतियोगिता (54th Zonal Mine Rescue Competition) संपन्न हुई. यह प्रतियोगिता दिनांक 12.10.2025 से 14.10.2025 तक मॉयल इंडिया लिमिटेड एवं वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी. प्रतियोगिता में वेकोलि, मॉयल इंडिया लिमिटेड, एचसीएल, आरसीसीएल और एवं सनफ्लैग की कुल 14 टीमों ने भाग लिया. इनमें 12 पुरुष टीमें तथा 02 महिला टीमें शामिल थी. प्रतियोगिता में पुरुष श्रेणी में ओवरऑल प्रथम स्थान वेकोलि, नागपुर क्षेत्र को तथा ओवरऑल द्वितीय स्थान वेकोलि, चंद्रपुर क्षेत्र को मिला, वही ओवरऑल तृतीय स्थान मॉयल इंडिया लिमिटेड की टीम ने हासिल किया. महिला श्रेणी में ओवरऑल प्रथम स्थान वेकोलि महिला टीम तथा ओवरऑल द्वितीय स्थान मॉयल इंडिया लिमिटेड की महिला टीम ने हासिल किया. पारितोषिक वितरण समारोह में वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक (मानव संसाधन) श्री हेमंत पांडे, उप महानिदेशक खान सुरक्षा, वेस्ट जोन, श्री रामावतार मीना, उप महानिदेशक खान सुरक्षा, नार्थ जोन श्री नीरज कुमार एवं मॉयल इंडिया लिमिटेड के निदेशकगण उपस्थित रहे. अतिथियों द्वारा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए. इस अवसर पर वेकोलि के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे वरिष्ठ अधिकारीगण, मॉयल इंडिया लिमिटेड, एचसीएल, आरसीसीएल एवं सनफ्लैग के अधिकारीगण एवं कर्मचारी गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

कमिंस की ऑल-टाइम XI से बाहर विराट-रोहित

नई दिल्ली. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट इतिहास में कई दिग्गज खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की हालिया चुनी गई ऑल-टाइम इंडिया-ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवन में कुछ चौंकाने वाले नामों की अनुपस्थिति ने सभी को हैरान कर दिया है। कमिंस ने इस टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज भारतीय बल्लेबाजों को शामिल नहीं किया है — जबकि दोनों ही हाल के वर्षों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे खतरनाक बल्लेबाज साबित हुए हैं। इतना ही नहीं, टीम में जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय तेज गेंदबाज और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट को भी नजरअंदाज कर दिया गया है।

पैट कमिंस की हैरतअंगेज प्लेइंग इलेवन

कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ अपनी सर्वकालिक भारत-ऑस्ट्रेलिया जॉइंट प्लेइंग इलेवन साझा की, जिसमें आठ ऑस्ट्रेलियाई और तीन भारतीय रिटायर्ड खिलाड़ी शामिल हैं. अपनी प्लेइंग इलेवन में पैट कमिंस ने ओपनर डेविड वॉर्नर और सचिन तेंदुलकर को बनाया है.

उनके बाद बैटिंग ऑर्डर में रिकी पॉन्टिंग, स्टीव स्मिथ, शेन वॉटसन और माइकल बेवन को शामिल किया है. भारत की ओर से धोनी और जहीर खान दोनों को कमिंस ने चुना है. शेन वॉर्न, ब्रेट ली और ग्लेन मैक्ग्रा जैसे गेंदबाज कमिंस ने अपनी टीम में शामिल किये हैं.

डेविड वॉर्नर, सचिन तेंडुलकर, रिकी पॉन्टिंग, स्टीव स्मिथ, शेन वॉटसन, माइकल बेवन, एमएस धोनी, शेन वॉर्न, ब्रेट ली, ज़हीर खान, ग्लेन मैकग्रा.विराट कोहली और रोहित शर्मा को भले ही पैट कमिंस ने प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया

लेकिन ये बात उन्होंने मानी है कि विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में माहौल बनाने वाले हैं. हो सकता है कि दोनों आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया सीरीज खेल रहे हों इसलिए ये काफी स्पेशल साबित होने वाला है.

बता दें विराट और रोहित दोनों का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड काफी अच्छा है, दोनों ऑस्ट्रेलिया में 50 से ज्यादा की औसत से रन बनाते हैं, अब देखना ये है कि इस बार क्या होता है.

सीएम कप राज्य बास्केटबॉल प्रतियोगिता 26 से

विभिन्न जिलों की 35 पुरुष और 25 महिला टीमें लेंगी हिस्सा

नागपुर. धरमपेठ क्रीड़ा मंडल (डीएमके) के स्वर्ण महोत्सवी वर्ष के उपलक्ष्य में, धरमपेठ क्रीड़ा मंडल, नागपुर जिला बास्केटबॉल संघ और महाराष्ट्र राज्य बास्केटबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 75वीं सीएम कप राज्य अंतर-जिला वरिष्ठ वर्ग बास्केटबॉल प्रतियोगिता आगामी 26 से 31 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में 1000 से अधिक खिलाड़ी, प्रशिक्षक और अधिकारी भाग लेंगे, ऐसी जानकारी जिला संघ के कार्याध्यक्ष एडवोकेट अभय कपले ने बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। छह दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों, शंकरनगर स्थित डीएमके बास्केटबॉल कोर्ट पर होगा। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से 35 पुरुष और 25 महिला टीमें भाग लेंगी। मुकाबले लीग और नॉकआउट पद्धति से खेले जाएंगे, जो धरमपेठ क्रीड़ा मंडल (शंकरनगर), शिवाजीनगर जिमखाना और नूतन भारत युवक संघ, बजाजनगर के पांच कोर्ट्स पर, सुबह और शाम दो सत्रों में खेले जाएंगे। विजेता और उपविजेता टीमों को आकर्षक ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, ऐसी जानकारी एडवोकेट कपले ने दी। प्रतियोगिता की आयोजन समिति के सचिव के रूप में जिला संघ के पूर्व सचिव अनुप राजूरकर की नियुक्ति की गई है। विशेष बात यह है कि छह वर्षों के अंतराल के बाद नागपुर जिला बास्केटबॉल संघ को राज्य स्तरीय स्पर्धा की मेजबानी करने का अवसर प्राप्त हुआ है। इससे पहले अगस्त 2019 में नागपुर ने 13 और 18 वर्ष से कम आयु वर्ग की राज्य सब-जूनियर और जूनियर बास्केटबॉल स्पर्धा का सफल आयोजन किया था। प्रेस कांफ्रेंस में जिला संघ के सचिव भावेश कुचनवार, उपाध्यक्ष हेमंत बालबुद्धे, हर्षद भिशीकर, रवि कुलकर्णी, अमित संपत आदि उपस्थित थे।

विदर्भ की ठोस शुरुआत पहली पारी में 302/3

नागपुर - गत विजेता विदर्भ ने नागालैंड के खिलाफ चार दिवसीय रणजी ट्रॉफी की एलीट ग्रुप ए लीग मैच के पहले दिन 302/3 का स्कोर बनाकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

नागालैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज अमन मोखड़े ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 141 रनों की पारी खेली अमन के पहले प्रथम श्रेणी के शतक से विदर्भ को मज़बूत स्थिति में पहुँचा दिया।विदर्भ ने अमन और अथर्व ताइडे के साथ पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़कर सधी हुई शुरुआत की। ताइडे 18 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन अमन और ध्रुव शौरी ने दूसरे विकेट के लिए 104 रन जोड़े, जिसके बाद ध्रुव शौरी 64 रन बनाकर आउट हो गए। विदर्भ के

लिए पदार्पण कर रहे आर. समर्थ सस्ते में आउट हो गए, लेकिन यश राठौड़ और अमन ने स्थिति को संभाला दोनों ने अब तक 223 गेंदों पर 143 रन जोड़कर चौथे विकेट के लिए नाबाद साझेदारी की । यश 66 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पूरे दिन बल्लेबाजी करने वाले अमन ने अब तक 261 गेंदों का सामना किया और 16 चौके लगाए संक्षिप्त स्कोर: पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ पहली पारी 85 ओवर में 302/3 (अमन मोखड़े 141, ध्रुव शौरी 64, यश राठौड़ 66) नागालैंड ने अभी बल्लेबाजी नहीं की है ।

शमी की फिटनेस पर सस्पेंस

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंटरनेशनल करियर पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं. शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद भारत के लिए कोई भी मैच नहीं खेला है. जिसके पीछे की वजह उनकी फिटनेस माना जा रहा है. हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने टीम का ऐलान करने के बाद कहा था कि उनके पास शमी की फिटनेस के बारे में कोई जानकारी नहीं है. अब इस मुद्दे पर शमी ने बड़ा बयान दिया है.मोहम्मद शमी उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच से पहले ईडन गार्डन्स में बंगाल के प्रैक्टिस सेशन में शामिल हुए. उन्हें इस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया है. इस दौरान उन्हें टीम में जगह ना मिलने पर बड़ा बयान दिया. शमी ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा है सेलेक्शन मेरे हाथ में नहीं है.

वर्ल्ड कप से बाहर होने के कगार पर पाकिस्तान

इंग्लैंड से मुकाबला अहम

कोलंबो. महिला वर्ल्ड कप पाकिस्तान के सामने अगली चुनौती इंग्लैंड की है. कोलंबो के मैदान पर होने वाले इस मुकाबले में पाकिस्तान के सिर पर बड़े खतरे का साया होगा. उस साए ने अगर पाकिस्तान की महिला टीम को अपनी गिरफ्त में लिया तो फिर पाकिस्तान का टूर्नामेंट में अपना आखिरी मैच खेलने से पहले ही बाहर होना तय है. अब सवाल ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ मैच में पाकिस्तान पर मंडरा रहा बड़ा खतरा क्या है? तो उसका जवाब उस मैच के नतीजे से जुड़ा है.

पाकिस्तान का अब तक नहीं खुला खाता

पाकिस्तान का अब तक महिला वर्ल्ड कप 2025 में खाता नहीं खुला है. उसने 3 मुकाबले खेले हैं और तीनों में ही उसे हार का सामना करना पड़ा है. पाकिस्तान की टीम अब तक

तो टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी टीम नहीं करार दी गई है. लेकिन अगर इंग्लैंड के खिलाफ वाला मैच भी वो हारे तो फिर बाहर होने का जो खतरा है, वो सच का लिबास पहनता दिख सकता है.

इंग्लैंड के खिलाफ आज तक नहीं जीते लेकिन, क्या पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम में इतना दम है कि वो इंग्लैंड को हरा देगी. अब तक के आंकड़े देखकर तो लगता है कि कोलंबो क्या, दुनिया के किसी भी मैदान पर पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड को नहीं हरा सकती. पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच अब तक 15 वनडे मुकाबले महिला क्रिकेट की पिच पर हुए हैं, जिसमें से 2 बेनतीजा रहे हैं. वहीं 13 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हरा दिया है. मतलब, इंग्लैंड ने 13-0 से पाकिस्तान पर अपने दबदबे की कहानी लिखी है.

अगले 2 मुकाबले भी दमदार टीमों के खिलाफ

महिला वर्ल्ड कप 2025 में भी पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड से हार जाती है तो फिर कहना गलत नहीं होगा कि उसके टूर्नामेंट से बाहर होने का रास्ता भी तैयार हो जाएगा. क्योंकि अगले दो मुकाबले जो हैं वो भी आसान नहीं है कि अगर-मगर का चांस रहने पर बात भी बने. पाकिस्तान को इंग्लैंड के बाद न्यूजीलैंड का सामना करना है और फिर साउथ अफ्रीका की चुनौती का. न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक खेले 17 मुकाबलों में पाकिस्तान की टीम सिर्फ 1 बार जीत सकी है. वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले 31 मुकाबलों में उसने सिर्फ 6 जीते हैं. महिला वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका दोनों से पाकिस्तान की टीम 4-4 बार भिड़ी है और हर बार हारी है.

भारत दूसरी बार करेगा कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी?

अहमदाबाद बना मजबूत दावेदार

अहमदाबाद. एग्जीक्यूटिव बोर्ड ऑफ कॉमनवेल्थ गेम्स ने एक ऐतिहासिक फैसले में भारत के अहमदाबाद को 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी देने की सिफारिश की है. यह प्रस्ताव अब फुल कॉमनवेल्थ गेम्स मेंबरशिप के सामने रखा जाएगा, और आखिरी फैसला 26 नवंबर 2025 को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ गेम्स महासभा में लिया जाएगा.अगर ऐसा होता है तो भारत दूसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा. इससे पहले 2010 में ये इवेंट भारत में हुआ था.

अहमदाबाद में होंगे कॉमनवेल्थ गेम्स?

अहमदाबाद को मेजबानी देने के पीछे एक बड़ी वजह है. दरअसल, समिति ने उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन कई मानदंडों पर किया, जिसमें तकनीकी व्यवस्था, खिलाड़ियों का अनुभव, बुनियादी ढांचा, प्रशासन और कॉमनवेल्थ गेम्स के मूल्यों के साथ तालमेल शामिल थे. हालांकि, मेजबानी की रेस में नाइजीरिया की राजधानी अबुजा भी है. अहमदाबाद और अबुजा दोनों ने

प्रभावशाली और महत्वाकांक्षी प्रस्ताव पेश किए हैं.

कॉमनवेल्थ गेम्स को 100 साल होंगे पूरे

बता दें, 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स को 100 साल पूरे हो रहे हैं. पहला आयोजन 1930 में कनाडा के हैमिल्टन में हुआ था. वहीं, ग्लासगो 2026 की तैयारियां जोरों पर हैं. ऐसे में अहमदाबाद को मेजबानी मिलना भारत के लिए ऐतिहासिक पल होगा. कॉमनवेल्थ में सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत का खेल इतिहास काफी गौरवशाली रहा है और कॉमनवेल्थ गेम्स में उसकी सफलता का रिकार्ड भी काफी मजबूत रहा है. बर्मिंघम 2022 में भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर रहा था. भारतीय ओलंपिक संघ ने अहमदाबाद को पसंदीदा शहर बताते हुए 29 अगस्त को अपना आखिरी प्रस्ताव सौंपा था. वहीं, नाइजीरिया ने भी समय सीमा से पहले इस इवेंट के लिए अपनी औपचारिक बोली जमा की थी. अब देखने वाली बात यह होगी कि अहमदाबाद और अबुजा में से कौन, इस मल्टी-स्पोर्टिंग इवेंट की मेजबानी का हकदार बनता है.

आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स से मांगा ट्रांसफर

दिल्ली कैपिटल्स ने दिखाई दिलचस्पी

आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन और राजस्थान रॉयल्स की टीम सुर्खियों में बनी हुई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम मैनेजमेंट को साफतौर पर कह दिया है कि वह अलगे सीजन में टीम का हिस्सा नहीं होंगे. इसके लिए उन्होंने खुद को ट्रेड करने के लिए कहा है या फिर ऑक्शन के लिए रिलीज करने को बोला है. इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है. दिल्ली कैपिटल्स ने संजू सैमसन में दिलचस्पी दिखाई है. लेकिन ये डील इतनी आसान नहीं रहने वाली है.आईपीएल के आगामी सीजन 2026 को लेकर फ्रेंचाइजी टीमों में खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त और रिटेंशन की चर्चाएं जोरों पर हैं. इस बीच, दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अपनी टीम में शामिल करने की इच्छा जताई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली की टीम संजू सैमसन को आईपीएल ट्रेड विंडो के तहत खरीदना चाहती है. लेकिन सवाल यह कि आखिर किस खिलाड़ी के बदले यह सौदा संभव हो पाएगा. आईपीएल 2025 के दौरान सैमसन और आरआर के बीच कछ मतभेदों की खबरें सामने आई

हैं, जिसके चलते वह नई टीम की तलाश में बताए जा रहे हैं. लेकिन ट्रेड का रास्ता आसान नहीं है. राजस्थान रॉयल्स सैमसन को आसानी से जाने नहीं देगी, क्योंकि वह अपनी कोर टीम को मजबूत रखना चाहेगी. दूसरी ओर, दिल्ली कैपिटल्स के पास कई युवा और अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिन्हें ट्रेड टेबल पर रखा जा सकता है. लेकिन दिल्ली की टीम इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि वह किस खिलाड़ी को राजस्थान रॉयल्स के साथ ट्रेड कर सकते हैं.

आईपीएल टेड विंडो एक ऐसा नियम होता है जिसके तहत टीमें ऑक्शन से पहले या बाद में खिलाड़ियों की अदला-बदली कर सकती हैं.

फिलहाल आईपीएल 2026 के लिए ट्रेड विंडो खुली हुई है. आईपीएल सीजन के खत्म होने के एक महीने बाद ट्रेड विंडो ओपन हो जाती है, जो ऑक्शन से एक हफ्ते पहले तक खुली रहती है. इसके तहत फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने प्लेयर्स की अदला बदली कर सकती हैं. या फिर टीम प्लेयर को ट्रेड करने वाली फ्रेंचाइजी को बदले में पैसे देती है.

पटना में 5 गेंदों में ढेर हुए सूर्यवंशी कमजोर टीम ने चौंकाया

पटना. रणजी ट्रॉफी 2025 में वैभव सूर्यवंशी की पहली पारी कमजोर टीम के आगे फेल हो गई. वैभव सूर्यवंशी ने स्टार्ट धमाकेदार किया. लगा कि उनका बल्ला रुकेगा नहीं. लेकिन, जब वैभव का बल्ला बोल रहा था, तभी एक गेंद पर वो अचानक क्लीन बोल्ड हो गए. रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में बिहार का पहला मुकाबला अरुणाचल प्रदेश के साथ है. अब वैभव सूर्यवंशी जितने काबिल बल्लेबाज हैं, उनके आगे अरुणाचल प्रदेश जैसी टीम को कमजोर ही आंका जाएगा. लेकिन, उस कमजोर टीम ने ही वैभव सूर्यवंशी को पटना की क्रीज पर बस 5 गेंदों का मेहमान बना दिया.

बिहार और अरुणाचल प्रदेश के बीच मुकाबला पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर खेला जा रहा है. ये वही मैदान पर जिस पर बिहार के लिए खेली पिछली 4 पारियां वैभव सूर्यवंशी के लिए कुछ अच्छी नहीं रही थी. अब इस साल भी वैभव सूर्यवंशी के साथ पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर वही हुआ, जो 20 महीने पहले यानी पिछले साल जनवरी में हुआ था. वैभव

सूर्यवंशी फिर से एक बार पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर बड़ा स्कोर करने में नाकाम रहे. अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पहली पारी में उन्होंने 5 गेंदों में 14 रन ही बनाए. इससे पहले पटना के स्टेडियम में खेली फर्स्ट क्लास क्रिकेट की 4 पारियों में वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से सिर्फ 31 रन निकले थे. उनमें से 2 पारियों में तो उनका खाता भी नहीं खुला था. यानी, मोइनुल हक स्टेडियम पर अब तक खेली 5 पारियों में उन्होंने सिर्फ 45 फर्स्ट क्लास रन बनाए हैं. वैभव सूर्यवंशी ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मोइनुल हक स्टेडियम में अपनी पहली पारी की शुरुआत धमाकेदार की थी. वो 280 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे थे. उन्होंने 14 रन ही बनाए मगर उसमें 1 छक्का और 2 चौके शामिल रहे. मगर उस स्टार्ट को वो बड़ा रुप देने में नाकाम रहे. मुकाबले की बात करें तो बिहार ने अरुणाचल की पहली पारी को 105 रन पर ही समेट दिया. इधर वैभव के जल्दी आउट होने का झटका बिहार को जरूर लगा. मगर उससे उबरकर उन्होंने अब बढ़त बना ली है.

शुभमन गिल रोहित-विराट के साथ हुए रवाना

उड़ान को लेकर अटकलें खत्म

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया रवाना हो चुकी है. इसके लिए खिलाड़ियों ने दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ी. खास बात ये रही कि टीम इंडिया के नए कप्तान शुभमन गिल भी रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए. पहले ऐसी खबरें थीं कि गिल, रोहित-विराट के साथ ना जाकर गौतम गंभीर के साथ शाम की फ्लाइट से ऑस्ट्रेलिया की उड़ान भरेंगे. लेकिन, दिल्ली एयरपोर्ट से तस्वीरें सामने आते ही सारे कयास मिट गए.

इन खिलाड़ियों ने भी भरी उड़ान

रोहित-विराट और शुभमन गिल के अलावा जो और खिलाडी

ऑस्ट्रेलिया के लिए साथ उड़े, उनमें श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरैल, हर्षित राणा, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, नीतीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल रहे.

चैंपियंस टॉफी के बाद वनडे में दिखेंगे रोहित-विराट

रोहित और विराट आखिरी बार वनडे खेलते चैंपियंस ट्रॉफी में दिखे थे. भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में ही इस साल मार्च में खेला वो आईसीसी टूर्नामेंट जीता था. रोहित और विराट दोनों अब वन-फॉर्मेट प्लेयर है. दोनों ने टी20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है. रोहित से वनडे की कप्तानी भी लेकर शुभमन गिल को दे दी गई है. टीम इंडिया के 28वें वनडे कप्तान बने गिल केलिए ऑस्ट्रेलिया दौरा अब पहला इम्तिहान होगा.

भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का पूरा शेड्यूल

भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे की बात करें तो उसका आगाज 19 अक्टूबर से होगा. ये दौरा 8 मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज का होगा. पहले 3 वनडे की सीरीज खेली जाएगी. फिर उसके बाद 5 मैचों की T20 सीरीज होगी. भारत को पहला वनडे 19 अक्टबर को पर्थ में खेलना है. फिर दूसरा वनडे 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेलना है. उसके बाद तीसरा और आखिरी वनडे 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा. भारतीय समय से ये सभी मुकाबले सुबह के 9 बजे से शुरू होंगे. वनडे के बाद टी20 सीरीज होगी. पहला टी20 मुकाबला कैनबरा में 29 अक्टूबर को खेला जाएगा. उसके बाद दूसरा टी20 मेलबर्न में 31 अक्टूबर को होगा. तीसरा टी20 मैच होबार्ट में 2 नवंबर को खेला जाएगा. जबकि चौथा टी20 मैच गोल्ड कोस्ट में 6 नवंबर को होगा. 5 वां और आखिरी टी20 8 नवंबर को ब्रिसबेन में खेला जाएगा. टी20 सीरीज के सभी मुकाबले भारतीय समय से दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर शुरू होंगे.